चैत्र कृष्णा - 14 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 239 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 27-03-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 भारत भूमि अन्नपूर्णा है, गौ धन संरक्षण के साथ रसायन मुक्त कृषि को बढ़ावा दें

6 स्वदेशी ज्ञान : रोजगार का आधार और आर्थिक विकास का मूलमंत्र

7 सनी देओल की फिल्म 'जाट' का ट्रेलर रिलीज

फर्स्ट टेक

भाजपा के बागी विधायक यतनाल छह वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बागी विधायक और येडीयुरप्पा के कटु आलोचक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को दो कारण बताओ नोटिस जारी करने के बाद छह वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया। भाजपा के कद्दावर नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा व उनके बेटे विजयेंद्र येडीयुरप्पा के कटु आलोचक यतनाल पार्टी पर 'वंशवाद की राजनीति' के आरोप लगाते रहे हैं। विजयेंद्र भाजपा की कर्नाटक इकाई के प्रमुख हैं। यतनाल ने भाजपा की केंद्रीय अनुशासन समिति (सीडीसी) के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें वंशवाद की राजनीति और भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलने के कारण निष्कासित किया गया है।

यूपीआई में तकनीकी समस्या से डिजिटल लेन-देन बाधित

नई दिल्ली/भाषा। यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) में तकनीकी समस्या आने के कारण बुधवार को लोगों को डिजिटल माध्यम से लेन-देन में समस्या आई। बड़ी संख्या में उपयोगकर्ताओं ने यूपीआई के जरिये भुगतान में आने वाली समस्याओं के बारे में शिकायत की। यूपीआई में लगभग एक घंटे तक अस्थायी समस्या रही। बाद में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने समस्या का समाधान किया। समस्या के कारण डाउनडिटेक्टर पर शिकायतों में वृद्धि हुई। डाउनडिटेक्टर उपयोगकर्ता की रिपोर्ट के आधार पर सेवा में समस्याओं की निगरानी करने वाला एक मंच है। भुगतान नियामक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''एनपीसीआई को बीच-बीच में तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा, जिसके कारण यूपीआई सेवाएं आंशिक रूप से बाधित हुईं। अब इसे ठीक कर लिया गया है और प्रणाली दुरुस्त हो गयी है...।''

बस ने मारी ऐश्वर्या राय बच्चन की कार को टक्कर

मुंबई/भाषा। मुंबई के जुहू उपनगर में बुधवार को बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन की कार को एक बस ने टक्कर मार दी। एक अधिकारी ने बताया कि इस दुर्घटना में हालांकि कोई घायल नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक महंगी कार और उसके पीछे बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) की लाल रंग की बस दिखाई दे रही है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ऐश्वर्या कार में थीं या नहीं। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि बस की टक्कर से कार को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

अगले चुनाव से पहले देश की हर पंचायत में पैक्स होगी : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पिछले साढ़े तीन साल में देश में सहकारिता क्षेत्र में मजबूत ढांचा तैयार होने का उल्लेख करते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि अगले लोकसभा चुनाव से पहले देश की हर ग्राम पंचायत में प्राथमिक कृषि ऋण समिति (पैक्स) होगी और आने वाले कुछ दिनों में देश में ओला, उबर जैसी एक सहकारी टैक्सी सेवा शुरू की जाएगी।

शाह ने लोकसभा में 'त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025' पर चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। विधेयक में गुजरात के आणंद में ग्रामीण प्रबंधन संस्थान को त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी के रूप में विश्वविद्यालय का दर्जा देने और राष्ट्रीय महत्व की संस्था घोषित करने का प्रावधान है।

अमित शाह के उत्तर के बाद लोकसभा ने विपक्ष के कुछ सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान कर दी।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने सहकारिता क्षेत्र की जरूरतों को समझते हुए एक अलग मंत्रालय बनाया और तब से देश में पंचायत स्तर पर पैक्स खोलने के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, सहकारिता क्षेत्र में मूल इकाई पैक्स है। इसके बाद जिला और प्रदेश स्तर पर समितियां बनती हैं। हम देश की हर पंचायत तक पैक्स पहुंचाने का काम अगली बार जनता के सामने जनादेश मांगने जाने से पहले पूरा कर लेंगे।

शाह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने सहकार से समृद्धि का नारा दिया। उन्होंने केवल नारा ही नहीं दिया, बल्कि इसे जमीन पर उतारा है। आने वाले कुछ दिन में सहकारी क्षेत्र में ओला, उबर जैसी टैक्सी सेवा आने वाली है जिसमें दोपहिया और चारपहिया दोनों तरह की टैक्सी संचालित होंगी। उन्होंने कहा कि ''इसका मुनाफा धन्ना सेठों के पास नहीं जाएगा, बल्कि ड्राइवर के पास जाएगा।

शाह ने कहा, 75 साल से देश में एक सहकारिता मंत्रालय की मांग थी, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सुना। 75 साल तक सहकारिता क्षेत्र के विकास के लिए कुछ नहीं हुआ था। लेकिन आज एक तरह से हर परिवार का कोई व्यक्ति सहकारिता से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि साढ़े तीन साल के अंदर मंत्रालय ने बहुत काम किया है और सहकारिता क्षेत्र 30 करोड़ लोगों को स्वरोजगार से जोड़ रहा है।

कर्नाटक की अदालत ने मुडा मामले में फैसला सुरक्षित रखा

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एक विशेष अदालत ने बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से जुड़े मुडा (एमयूडीए) मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। फैसला तीन अप्रैल को सुनाया जाना निर्धारित है। सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों की सुनवायी करने वाली विशेष अदालत ने सिद्दरामय्या के खिलाफ शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर मामले में दलीलें सुनीं। शिकायतकर्ता व्यक्तिगत रूप से पेश हुए और जांच अधिकारी द्वारा प्रस्तुत बी-फाइनल रिपोर्ट के संबंध में दलीलें प्रस्तुत कीं। विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) वेंकटेश अरबत्ती ने भी अदालत में दलीलें रखीं। उन्होंने सीआरपीसी की धारा 173(8) के तहत जांच अधिकारी को आगे की जांच करने की अनुमति देने के पक्ष में दलील दी। विशेष लोक अभियोजक ने अपनी दलीलों के समर्थन के लिए उच्चतम न्यायालय के प्रासंगिक निर्णयों का हवाला दिया। अदालत ने अब बी-रिपोर्ट (क्लोजर रिपोर्ट) पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है।

वैष्णव ने द्रमुक सांसद की टिप्पणी पर कहा

देश संविधान में निहित संघीय ढांचे से चलता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में द्रमुक के एक सांसद की टिप्पणी पर नाखुशी जताते हुए कहा कि देश संविधान में निहित संघीय ढांचे से चलता है।

प्रश्नकाल में द्रमुक सांसद दयानिधि मारन ने कहा कि क्या सरकार ऑनलाइन गेमिंग के खिलाफ कदम उठाने की अपनी नैतिक जिम्मेदारी को निभाने में हिचकिचा रही है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग पर रोक लगा दी है।

मारन ने पूछा कि केंद्रीय इलेट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को ऐसी सभी ऑनलाइन वेबसाइट पर प्रतिबंध लगाने में कितना समय लगेगा। वैष्णव ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मारन को केंद्र सरकार की नैतिक जिम्मेदारी पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि देश संविधान में निहित संघीय ढांचे से चलता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संविधान में इस विषय (ऑनलाइन गेमिंग) पर कानून बनाने का नैतिक और विधिक अधिकार राज्यों को दिया गया है। उन्होंने कहा, कृपया संघीय ढांचे का अध्ययन कीजिए। सदस्य से आग्रह है कि देश के संघीय ढांचे का सम्मान करें और संविधान को बचाएं। एक अन्य पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए वैष्णव ने कहा कि सट्टेबाजी और गेमिंग राज्यों के विषय हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने इन्हें लेकर अनेक कदम उठाए हैं।

किसानों को 'धोखा' देने से किसी का भला नहीं होगा : वित्त मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- कांग्रेस की नीतियां केवल बड़ी-बड़ी बातें हैं, लेकिन जमीन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई और अगर कोई कार्रवाई हुई भी तो उसमें भ्रष्टाचार हुआ।

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि किसानों को धोखा देने से किसी का भला नहीं होगा। इसके साथ ही, उन्होंने कृषि ऋण माफी योजना को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला और आरोप लगाया कि उसके वादों ने किसानों को मुश्किल में डाल दिया है।

वित्त मंत्री उच्च सदन में बैंकिंग कानून (संशोधन), 2024 विधेयक पर हुयी चर्चा का जवाब दे रही थीं। उन्होंने चर्चा के दौरान बीआरएस सदस्य रवि चंद्र वड्डीराजू द्वारा तेलुगु में दिए गए बयान पर यह टिप्पणी की। वड्डीराजू ने किसानों के लिए कांग्रेस की ऋण माफी योजना का जिक्र किया था।

सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस ने ''ऋण माफी'' की घोषणा की, लेकिन वास्तव में आधे किसान ऋण माफी से वंचित रह गए। उन्होंने कहा कि बैंकों ने उनके नाम रिकॉर्ड में दर्ज कर लिए जिससे वे नए ऋण के लिए भी अपात्र हो गए।

उन्होंने कहा, ''मैं इस तथ्य को उजागर करना चाहती हूं कि किसानों को धोखा देना किसी के लिए भी अच्छा नहीं है। प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी हर बार 2,000 रुपये, सालाना 6,000 रुपये पारदर्शी डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से उनके खाते में डाल रहे हैं। इससे छोटे किसानों को मदद मिलती है। इसे कर के दिखाएं।''

सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस की नीतियां कागजों तक सीमित रही हैं और जमीन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई और अगर कोई कार्रवाई हुई भी है तो वह भ्रष्टाचार से भरी हुई है।

मंत्री ने कहा, वे खाद्य सुरक्षा, मनरेगा और ग्रामीण क्षेत्रों के बारे में जिस तरह से बोलते हैं, मैं उसे उजागर करना चाहती हूं, उनके द्वारा लाई गई कोई भी योजना प्रभावी ढंग से लागू नहीं की गई। जब प्रधानमंत्री मोदी उन्हें बिना किसी भ्रष्टाचार, बिना किसी गड़बड़ी के लागू करते हैं, तो वे कहेंगे, यह हमारी योजना थी। हां, यह आपकी योजना थी, लेकिन आपने इसे कागजों पर ही रखा, या आपने इसका गलत प्रबंधन किया।''

सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस की नीतियां केवल बड़ी-बड़ी बातें हैं, लेकिन जमीन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई और अगर कोई कार्रवाई हुई भी तो उसमें भ्रष्टाचार हुआ।

वित्त मंत्री ने कहा कि उन्हें मीडिया से जानकारी मिली कि कांग्रेस ने 2009 में सत्ता में वापसी के लिए कृषि ऋण माफी के वादे का इस्तेमाल किया।

बांग्लादेश सरकार अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की बात स्वीकार नहीं कर रही : विदेश मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्रालय ने संसद की एक समिति को बताया है कि बांग्लादेश सरकार ने अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न को स्वीकार नहीं करने के अलावा शेख हसीना सरकार गिरने के बाद हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के पैमाने और स्वरूप को भी कमतर बताने की कोशिश की है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि विदेश मामलों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता वाली स्थायी समिति के समक्ष मंत्रालय ने पड़ोसी देश में सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक प्रतीकवाद में वृद्धि को रेखांकित किया। मंत्रालय ने पड़ोसी देश में इस्लामी शासन की स्थापना की विचारधारा को बढ़ावा देने वाले चरमपंथी समूहों द्वारा राजनीतिक शून्यता का फायदा उठाने का भी जिक्र किया।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने समिति को ''भारत-बांग्लादेश संबंधों का भविष्य'' तथा विश्व भर में भारतीय प्रवासियों की विभिन्न समस्याओं के बारे में जानकारी दी।

थरूर ने बाद में संवाददाताओं को बताया कि बैठक में ज्यादातर समय मिस्री के साथ, भारत के बांग्लादेश के साथ संबंधों पर चर्चा पर दिया गया। उन्होंने कहा, ''यह एक बहुत ही व्यापक चर्चा थी।'' उन्होंने कहा कि समिति ने प्रवासी समुदाय पर अपनी रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है।

मंत्रालय ने समिति को बताया कि बांग्लादेश के सेना प्रमुख ने अपने सार्वजनिक वक्तव्य में, देश में इस तरह की लड़ाई और गुटबाजी से देश को होने वाले खतरे को रेखांकित किया है। मंत्रालय ने भीड़ की अराजकता, संपत्तियों की तोड़फोड़ और महिलाओं तथा अल्पसंख्यकों के खिलाफ अपराधों की लगातार रिपोर्टों का हवाला दिया।

रूस, यूक्रेन संघर्ष को ख़त्म करना चाहते हैं : ट्रम्प

वाशिंगटन/एजेन्सी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को विश्वास व्यक्त किया कि रूस और यूक्रेन दोनों संघर्ष को समाप्त करना चाहते हैं। रियाद में मंगलवार को अमेरिका और यूक्रेन के बीच एक और वार्ता हुयी। यूक्रेनी रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव ने कहा कि दोनों पक्षों ने रूसी और यूक्रेनी ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर किये गये किसी भी तरह के हमले पर प्रतिबंध लगाने पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने काला सागर में नौवहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक समझौते की भी पुष्टि की। व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों पक्षों ने रियाद में काला सागर में वाणिज्यिक जहाजों के खिलाफ बल के उपयोग को खारिज करने पर सहमति व्यक्त की। ट्रम्प ने न्यूज़मैक्स से कहा, मुझे लगता है कि रूस इसे समाप्त होते देखना चाहता है, लेकिन हो सकता है कि वे इसमें देरी कर रहे हों... लेकिन नहीं, मुझे लगता है कि रूस इसे समाप्त होते देखना चाहेगा और मुझे लगता है कि ज़ेलेंस्की इसे यहीं समाप्त होते देखना चाहेंगे। उल्लेखनीय है कि 25 मार्च को क्रेमलिन ने रियाद में रूसी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों की बैठक के परिणामों पर एक बयान प्रकाशित किया। बयान में कहा गया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और श्री ट्रम्प के बीच हुए समझौते के अनुसार, दोनों पक्ष काला सागर पहल को साकार करने के लिए सहमत हुए। इस पहल में काला सागर में नौवहन की सुरक्षा, वाणिज्यिक जहाजों के खिलाफ बल के प्रयोग का बहिष्कार और सैन्य उद्देश्यों के लिए ऐसे जहाजों के उपयोग पर प्रतिबंध शामिल है।

बदलती युद्ध शैली और चुनौतियों को देखते हुए

सेना प्रमुख द्विवेदी ने सेनाओं के एकीकरण पर बल दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने युद्ध की बदलती प्रकृति, भारत के सामने मौजूद रणनीतिक चुनौतियों और सशस्त्र बलों के बीच एकजुटता तथा तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया है।

जनरल द्विवेदी ने बुधवार को रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन में 80वें स्टाफ कोर्स के भारतीय सशस्त्र बलों के अधिकारियों और स्थायी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

सेना प्रमुख ने भविष्य के सैन्य नेतृत्व को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए कालेज की सराहना

की और परिचालन तैयारियों तथा निर्णय लेने की क्षमताओं को बढ़ाने में पेशेवर सैन्य शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आधुनिक युद्ध में नेतृत्व, अनुकूलनशीलता और तकनीकी एकीकरण के महत्व पर भी बल दिया। उन्होंने अधिकारियों से उभरते सुरक्षा खतरों के प्रति अपने दृष्टिकोण में सक्रिय बने रहने और सैन्य योजना तथा संचालन में नवाचार को अपनाने का आग्रह किया।

यात्रा के दौरान, सेना प्रमुख ने संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की और सैन्य रणनीति, संचालन कला तथा नेतृत्व विकास के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने अंतर- सेना सहयोग को बढ़ावा देने और भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने में संस्थान के योगदान को माना।

जनरल द्विवेदी को कालेज के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने स्टाफ कोर्स पाठ्यक्रम को भविष्य के युद्धों की चुनौतियों के अनुरूप ढालने के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने इस अवसर पर वेलिंगटन मिलिट्री स्टेशन के पूर्व सैनिकों से भी बातचीत की और उनके योगदान के लिए उन्हें सम्मानित किया।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/एजेन्सी। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद क्विंटन डी कॉक (नाबाद 97) की विस्फोटक पारी के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के छठे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 15 गेंदें शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया। 151रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मोईन अली और क्विंटन डी कॉक की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। सातवें ओवर में मोईन अली (पांच) पर रनआउट हो गये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अजिंक्य रहाणे (15) को हसरंगा ने आउट कर राजस्थान को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद अंगकृष रघुवंशी और क्विंटन डी कॉक की जोड़ी ने तीसरे विकेट के लिए 83 रनों की अविजित साझेदारी कर कोलकाता को 17.3 ओवर में 153 रन बनाकर आठ विकेट से जीत दिला दी। डीकॉक ने 61 गेंदों में आठ चौके और छह छक्के लगाते हुए (नाबाद 97) रनों की पारी खेली। अंगकृष रघुवंशी 17 गेंदों में 22 रन बनाकर नाबाद रहे।

राजस्थान रॉयल्स की ओर से एकमात्र विकेट वानिंदु हसरंगा को मिला।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के विवादित आदेश पर उच्चतम न्यायालय ने लगाई रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस विवादित आदेश पर बुधवार को रोक लगा दी जिसमें कहा गया था कि 'नाबालिग लड़की के स्तन पकड़ना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश करना' दुष्कर्म के प्रयास के अपराध की श्रेणी में नहीं आता।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले से कड़ी असहमति व्यक्त की और इसे 'चौंकाने वाला' बताया।

न्यायमूर्ति गवई ने टिप्पणी की, यह एक गंभीर मामला है। न्यायाधीश(इलाहाबाद उच्च न्यायालय) की ओर से पूरी तरह असंवेदनशीलता है। यह समन जारी करने के चरण में था। हमें न्यायाधीश के खिलाफ ऐसे कठोर शब्दों का उपयोग करने के लिए खेद है। पीठ ने इन टिप्पणियों पर रोक लगाने का आदेश दिया और भारत संघ, उत्तर प्रदेश राज्य और उच्च न्यायालय की कार्यवाही में शामिल पक्षों को नोटिस जारी किए। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि हालांकि शीर्ष न्यायालय को आमतौर पर इस चरण में रोक लगाने में हिचक है, लेकिन उच्च न्यायालय के आदेश के पैराग्राफ 21, 24 और 26 में की गयी टिप्पणियां कानून के सिद्धांतों के विपरीत थीं और एक अमानवीय दृष्टिकोण को दर्शाती थीं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस बात पर सहमति जताते हुए कि यह एक 'चौंकाने वाला' फैसला था, कहा कि जिस तरह से मामले को संभाला गया वह बेहद गंभीर था।

सूर्यास्त 26-03-2025	सूर्योदय 27-03-2025
6:31 बजे	6:18 बजे

BSE	NSE
77,288.50	23,486.85
(-728.69)	(-181.80)

सोना	चांदी
9,244 रु.	100,300 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कटघरे में काजी

सारे गड़बड़ घोटालों की,
सीबीआई करती जाँच।
भ्रष्टों दुष्टों को दिखलाती,
सच का स्वच्छ स्वदेशी काँच।
जो दूजों की बाँचा करते,
रहे स्वयं की पोथी बाँच।
काजी खड़े कटघरे में जब,
लगे साँच को भी अब आँच।।

आरआर नगर तेरापंथ भवन में चल रहा है एक्युप्रेशर चिकित्सा शिविर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथ ट्रस्ट आरआर नगर द्वारा तेरापंथ भवन में 6 दिवसीय एक्युप्रेशर चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 65 लोगों ने पंजीकरण कराया। शिविर में राजस्थान के राममनोहर लोहिया आरोग्य जीवन संस्थान हनुमानगढ़ के थेरेपिस्ट रवींद्रकुमार के नेतृत्व में टीम ने मरीजों का उपचार किया।

इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज डागा ने सभी का स्वागत करते हुए शिविर की जानकारी दी। सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, मंत्री विक्रम महेर, तेयुप के अध्यक्ष बिकास छाजेड़, महिला मंडल की अध्यक्षा सुमन पटावरी, उपाध्यक्षा मंजू बोथरा, शिविर के संयोजक सुशील भंसाली आदि उपस्थित थे।

महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से ब्यावर युवा लेडीज़ विंग की हुई स्थापना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीव ब्यावर संघ के तत्वावधान में युवा शाखा द्वारा युवा लेडीज विंग की स्थापना की गई। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी का स्वागत किया तथा कहा कि संघ की युवतियों को एक सशक्त प्लेटफार्म प्रदान करने के उद्देश्य से लेडीज विंग की स्थापना की गई है। कार्यक्रम में सबसे पहले लेडीज विंग संयोजिकाएं चन्द्रकला डाकलिया, जिया हिंगड़, कंचन छाजेड़, मोनिका कुमट, संगीता पारख, सीमा बोहरा ने नवकार महामंत्र से मंगलाचरण किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मातृछाया ग्रुप की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी, ब्यावर संघ के चेयरमैन अरविन्द खिंवेसरा, अध्यक्ष पदम बोहरा, महामंत्री अरविन्द कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, महामंत्री कुलदीप छाजेड़ और महिला विंग संयोजिकाओं ने दीप प्रज्ज्वलन किया।

स्थापना कार्यक्रम की व्यवस्थाएं युवा सहमंत्री नरेश बोहरा, सह कोषाध्यक्ष भरत कोठारी ने संभाली। चन्द्रकला डाकलिया, कंचन छाजेड़ और सीमा बोहरा ने सौ से अधिक सदस्याएं बनाई। मोनिका कुमट ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए लेडीज विंग की स्थापना की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। संगीता पारख ने नारी शक्ति के सम्मान में विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि त्रिशला कोठारी ने लेडीज विंग के सदस्याओं को तन, मन व धन से संस्था को आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी।

वक्ता और मोटिवेशनल स्पीकर जिया हिंगड़ ने 'आओ बनाएं अपनी पहचान' में महिलाओं की मौन शक्ति, कोमल प्रेम, अंतहीन समर्पण के बारे में बताया। युवा महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने कहा कि युवा लेडीज विंग की स्थापना का मुख्य उद्देश्य संघ के और युवा शाखा के कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान करना, महिला और बालिका सशक्तिकरण हेतु कार्य करना है। संघ के पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर लक्की ड्रा के माध्यम से अनेक उपहार वितरित किए गए।

रोजाना पूजा करने के उद्देश्य से युवाओं ने एक घर में कर दी 'जैन मंदिर' की स्थापना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के बेलंदूर क्षेत्र में रहने वाले छह कुंवारे(अविवाहित) युवाओं ने रोजाना पूजा करने के लिए अपने एक घर में जैन मंदिर की स्थापना कर आस्था का अनूठा उदाहरण पेश किया है। इन युवाओं में पांच जैन धर्म के अनुयायी व एक सनातन धर्म का अनुयायी है।

धार्मिक गुरु रोहितगुरुजी ने मंदिर का विधान करवाया और बताया कि यह कार्य केवल एक धार्मिक आस्था का प्रदर्शन नहीं, बल्कि एकता, समर्पण और त्याग का प्रतीक भी है।आसपास के लोगों ने इस गृहमंदिर के दर्शन किए तथा युवाओं के कार्य की अनुमोदना की।

'सोनिया पर आक्षेप' को लेकर

रमेश ने शाह के खिलाफ दिया विशेषाधिकार हनन का नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्च सदन में एक विधेयक पर जवाब के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी पर कथित रूप से आरोप लगाने को लेकर राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने बुधवार को शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को सौंपे नोटिस में रमेश ने कहा कि 25 मार्च को शाह ने आपदा प्रबंधन विधेयक, 2024 पर चर्चा का जवाब देते हुए अन्य बातों के अलावा प्रधानमंत्री राहत कोष के संदर्भ में जो दावा किया था वो अपमानजनक है। कांग्रेस महासचिव रमेश ने शाह के खिलाफ दिए विशेषाधिकार हनन के नोटिस में कहा, मैं राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी जी पर आक्षेप लगाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ राज्य सभा में प्रक्रिया और संचालन के नियमों के नियम 188 के तहत विशेषाधिकार के हनन का नोटिस देता हूं। उनके मुताबिक, शाह ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा था, कांग्रेस शासन के दौरान प्रधानमंत्री राहत कोष पर केवल एक ही परिवार का नियंत्रण था और इसके अंदर कांग्रेस अध्यक्ष सदस्य होते थे। सरकारी कोष में कांग्रेस अध्यक्ष? क्या जवाब दोगे देश की जनता को आप?''

रमेश ने कहा कि जैसा कि शाह के बयान को पढ़ने से पता चलता है, भले ही गृह मंत्री ने सोनिया गांधी का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने स्पष्ट रूप से उनका उल्लेख किया था और राष्ट्रीय प्रधानमंत्री राहत कोष (एनपीएमआरएफ) के कामकाज के संबंध में आरोप लगाया। उनका कहना है कि यह अच्छी तरह से स्थापित है कि सदन के किसी भी सदस्य के बारे में विचार करना या अपमानजनक संदर्भ देना सदन के विशेषाधिकार का उल्लंघन और अवमानना है।

रिजर्व बैंक ने एचडीएफसी बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक पर जुर्माना लगाया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि उसने एचडीएफसी बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक पर नियमों के अनुपालन में कमी को लेकर जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा कि 'अपने ग्राहक को जानें' (केवाईसी) पर आरबीआई के कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने पर एचडीएफसी बैंक पर 75 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

एक अन्य बयान में, आरबीआई ने कहा कि पंजाब एंड सिंध बैंक पर 'बैंकों में बड़े साझा जोखिमों के एक केंद्रीय 'रिपॉजिटरी' का निर्माण' और 'वित्तीय समावेश – बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच – बुनियादी बचत बैंक जमा खाता (बीएसबीडीए)' पर कुछ निर्देशों का पालन नही करने पर 68.20 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

रिजर्व बैंक ने लाभांश की घोषणा से संबंधित आवश्यकताओं का अनुपालन न करने पर केएलएम एक्सिवा फिनवेस्ट पर भी 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि सभी मामलों में दंड विनियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है तथा इसका उद्देश्य संस्थानों के अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी लेनदेन या समझौते की वैधता पर निर्णय लेना नहीं है।

भाजपा सदस्य ने रास मे कहा, दुनिया में मंदी, लेकिन बेहतर नीतियों के कारण हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नरेन्द्र मोदी सरकार के कार्यकाल में अर्थव्यवस्था के लगातार मजबूत होने का दावा करते हुए भारतीय जनता पार्टी के एक सदस्य ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि देश के बैंकों ने बेहतर आर्थिक नीतियों के चलते तीन लाख करोड़ रुपए का मुनाफा ऐसे समय पर कमाया है जब दुनिया भर की अर्थव्यवस्था मंदी का सामना कर रही है।

उच्च सदन में बैंककारी विधियां (संशोधन) विधेयक, 2024 पर चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा के संजय सेठ ने कहा ''हम कोरोना काल में भी मजबूती से खड़े रहे। तब कर्ज की व्यवस्था को भी आसान किया गया। यही वजह है कि आज तक हम सुदृढ़ बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस संशोधन विधेयक के माध्यम से बैंकों के सात कानूनों में बदलाव का प्रस्ताव है और ये प्रस्ताव ऐसे हैं जो भारत को अगले पांच साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन कर उभरने में मदद करेंगे।

सेठ ने कहा कि ये संशोधन इसलिए लाए गए हैं ताकि बैंकों को मजबूत किया जा सके और इन संशोधनों से बैंकों के कामकाज में पारदर्शिता भी आएगी। उन्होंने कहा कि बैंकों में बिना दावा वाली राशि वर्ष 2023 में 42,272 करोड़ रुपए थी। उन्होंने कहा कि इसकी वजह खाताधारकों के पास एक ही नॉमिनी की व्यवस्था होना है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संशोधन के बाद खाताधारक के पास चार नॉमिनी की व्यवस्था होगी और बिना दावा वाली राशि का निपटान हो सकेगा।

सेठ ने कहा कि 2014 से पहले बैंकों से कर्ज राजनीतिक दबाव के चलते दिए जाते थे और इसका उदाहरण विजय माल्या, मेहुल चोकसी तथा कई लोग हैं जिन्होंने बैंकों से लिया कर्ज हड़प लिया। ''इससे बैंकों की व्यवस्था चरमरा गई। उन्होंने कहा ''आरबीआई के एक पूर्व गवर्नर ने भी माना है कि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार की नीतियों से ही एनपीए यानी गैर निष्पादित आस्तियों में वृद्धि हुई है। राजग सरकार ने पूरी सतर्कता बरती जिसके चलते बैंक मजबूत हुए हैं और एनपीए घटा है। सबसे बड़ी बात यह है कि लोगों का बैंकों पर भरोसा बढ़ा है।

सेठ ने कहा कि बैंकों से कर्ज लेकर भागने वालों की संपत्ति जब्त कर नुकसान की भरपाई करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि बेहतर आर्थिक नीतियों की वजह से तीन लाख करोड़ रुपए का मुनाफा बैंकों ने ऐसे समय कमाया है जब दुनिया भर की अर्थव्यवस्था मंदी का सामना कर रही है। ''हम कोरोना काल में भी मजबूती से खड़े रहे। तब कर्ज की व्यवस्था को भी आसान किया गया। यही वजह है कि आज तक हम सुदृढ़ बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से 2024 के बीच बैंकों की शाखाएं 1,17,900 से बढ़ कर 1,65,000 हो गई हैं। ग्रामीण शाखाओं की संख्या 41,855 से बढ़ कर 55,372 हो गई है।

सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री का संयुक्त अरब अमीरात में रुपे कार्ड चलवाना भी बड़ी उपलब्धि है।

पंजाब का 2.36 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश

स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 5,598 करोड़ रुपए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बुधवार को राज्य का वित्त वर्ष 2025-26 का 2.36 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। यह राज्य में मादक पदार्थों की समस्या से निपटने पर केंद्रित है। साथ ही इसमें स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 5,598 करोड़ रुपए आवंटित करने का प्रस्ताव है।

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट में कोई नया कर नहीं लगाया गया है। हालांकि, महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपए देने के बारे में बजट में कोई प्रस्ताव नहीं है जो सत्ता में आने से पहले आम आदमी पार्टी (आप) के चुनावी वादों में से एक था। उन्होंने कहा कि पंजाब की प्रगति और समृद्धि के लिए सबसे बड़ा खतरा नशे की समस्या है।

चीमा ने कहा, हम नशे के खिलाफ प्रभावी ढंग से लड़ाई लड़ने के लिए एक और ऐतिहासिक पहल कर रहे हैं। हमें इस लड़ाई को केवल ताकत और हथियारों से ही नहीं, बल्कि आंकड़ों और विश्लेषण के जरिये वैज्ञानिक तरीके से भी लड़ना है। उन्होंने कहा, हमने अगले साल (वित्त वर्ष 2025-26) पंजाब में पहली बार मादक पदार्थ संबंधित गणना करने का फैसला किया है। इसमें पंजाब के हर घर को 'कवर' किया जाएगा और राज्य के लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बारे में आंकड़े एकत्रित करने के अलावा मादक पदार्थ के प्रचलन, नशा मुक्ति केंद्रों के उपयोग आदि को समझने के लिए भी आंकड़े एकत्रित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में पंजाब की उल्लेखनीय प्रगति में मुख्यमंत्री भगवंत मान का दूरदर्शी नेतृत्व प्रेरक शक्ति रहा है।

चीमा ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल 2,36,080 करोड़ रुपए के बजट व्यय का प्रस्ताव रखा। प्रभावी राजस्व घाटा और राजकोषीय घाटा क्रमशः 2.51 प्रतिशत और 3.84 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ 5,000 होमगार्ड तैनात करके दूसरी रक्षा पंक्ति स्थापित करेगी।

नकदी मामला: डीसीपी के नेतृत्व में पुलिस टीम दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के आवास पहुंची

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास में लगी आग के बाद कथित नकदी बरामदगी के मामले की जांच के सिलसिले में पुलिस उपायुक्त (नई दिल्ली) के नेतृत्व में एक टीम बुधवार को उनके आवास पहुंची। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि टीम अपराह्न करीब 1.50 बजे न्यायमूर्ति वर्मा के घर पहुंची और दो घंटे बाद वापस गई। हालांकि, पुलिस टीम ने मीडिया से बात नहीं की और न्यायाधीश वर्मा के घर से निकलकर तुगलक रोड पुलिस थाना गई। इससे पहले पुलिस सूत्रों ने बताया था कि टीम उस स्थान का निरीक्षण करने जा रही है जहां आग लगी थी और वह न्यायाधीश के आवास पर काम करने वाले कर्मचारियों से पूछताछ कर सकती है। प्रधान न्यायाधीश ने 22 मार्च को आरोपों की आंतरिक जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की और घटना में दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय की जांच रिपोर्ट अपलोड करने का फैसला किया। इसमें कथित तौर पर भारी मात्रा में नकदी मिलने की तस्वीरें और वीडियो शामिल थे। न्यायमूर्ति वर्मा ने आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि उनके या परिवार के किसी सदस्य ने भंडारगृह में कभी भी कोई नकदी नहीं रखी।

भारत की प्राकृतिक गैस की मांग 2030 तक हो सकती है दोगुना : पीएनजीआरबी

गांधीनगर/भाषा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) के चेयरपर्सन अनिल कुमार जैन ने कहा कि यदि त्वरित प्रगति, अनुकूल नीति कार्यान्वयन और बढ़े हुए निवेश जैसे कारक अनुकूल रहे तो भारत में प्राकृतिक गैस की मांग 2030 तक लगभग दोगुनी हो सकती है। उन्होंने बुधवार को पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि शहरी गैस वितरण (सीजीडी) तंत्र की इस वृद्धि में प्रमुख भूमिका रहने की उम्मीद है। जैन ने कहा, भारत में वर्तमान में प्राकृतिक गैस की खपत 19 करोड़ मानक घनमीटर प्रतिदिन है। हमें 2030 तक शहरी गैस वितरण में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है। उन्होंने कहा, वृद्धि अनुमानों के अनुसार मौजूदा वैश्विक तथा घरेलू स्थितियों व नीतियों के आधार पर प्राकृतिक गैस की खपत बढ़कर 29.7 करोड़ मानक घनमीटर प्रतिदिन हो जाएगी। यदि स्थिति अनुकूल रही तो 2030 तक मांग बढ़कर 36.5 करोड़ मानक घनमीटर प्रतिदिन होगी। जैन प्राकृतिक गैस और पेट्रोलियम उत्पादों के बुनियादी ढांचे पर दूसरे पीएनजीआरबी राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए गांधीनगर पहुंचे हैं।

दिशा सालियान मामले को लेकर आदित्य ठाकरे पर लगाए गए आरोपों पर रुख साफ करे सरकार : गवली

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र विधान परिषद में सत्तारूढ़ शिवसेना की सदस्य भावना गवली ने बुधवार को राज्य सरकार से अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व प्रबंधक दिशा सालियान की मौत के मामले में शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे के खिलाफ आरोपों पर अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की।

उन्होंने यह भी जानना चाहा कि आदित्य इस मामले में 'नार्को' परीक्षण कराने से क्यों इनकार कर रहे हैं। राजपूत की पूर्व प्रबंधक सालियान की आठ जून, 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक आवासीय इमारत की 14वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। सालियान की मौत से छह दिन पहले राजपूत ने बांद्रा में अपने अपार्टमेंट में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी।

दिशा के पिता सतीश सालियान ने मंगलवार को मुंबई के संयुक्त पुलिस आयुक्त को एक शिकायत सौंपी, जिसमें उनकी बेटी की मौत के सिलसिले में आदित्य ठाकरे और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने का अनुरोध किया गया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ शिवसेना की विधायक गवली ने विधानमंडल के उच्च सदन में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा, दिशा सालियान के परिवार का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील द्वारा आदित्य ठाकरे के खिलाफ लगाए गए आरोपों के संबंध में सरकार को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। आदित्य ठाकरे नार्को परीक्षण कराने से इनकार क्यों कर रहे हैं?''

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का निर्यात बढ़ना तय : डीजीएफटी

नई दिल्ली/भाषा। विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) संतोष कुमार सारंगी ने बुधवार को कहा कि वैश्विक व्यापार और शुल्क संबंधी अनिश्चितताओं के बावजूद आने वाले वर्षों में भारत का निर्यात बढ़ना तय है।सारंगी ने कहा कि निर्यातकों को वर्तमान वैश्विक व्यापार परिदृश्य के अनुरूप व्यावहारिक और समझदारी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिदृश्य भारत के लिए कई तरह के काम करने का ''स्वर्णिम'' अवसर प्रस्तुत करता है, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा तथा विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी।

'सोर्सएक्स इंडिया-2025' कार्यक्रम में उन्होंने कहा, व्यापार और शुल्क से जुड़ी अनिश्चितताओं के बावजूद, हमारा निर्यात आने वाले वर्षों में बढ़ने वाला है। इसका कार्यक्रम का आयोजन भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने यहां किया। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने चीन जैसे देशों पर जवाबी शुल्क या आयात शुल्क लगाया है और भारत पर दो अप्रैल से ऐसे शुल्क लागू करने की घोषणा की है। कुछ निर्यातकों ने चिंता जाहिर की है कि इंजीनियरिंग तथा दवा जैसे क्षेत्रों पर अमेरिका द्वारा शुल्क लगाए जाने से अमेरिका को निर्यात प्रभावित होगा, जो भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सारंगी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का वस्तुओं व सेवाओं का निर्यात 800 अरब डॉलर को पार कर जाएगा। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यह 778 अरब डॉलर था। उन्होंने कहा, हम (हाल के) महीनों में निर्यात में अस्थायी गिरावट देख रहे हैं। हालांकि, दीर्घावधि में हमारे निर्यातक समुदाय हमें यह आभास दे रहे हैं कि ऑर्डर को लेकर उनसे हासिल की जा रही जानकारियां काफी सकारात्मक है और इससे मुझे विश्वास है कि हमारे निर्यात में वर्तमान स्तर की तुलना में वृद्धि होगी।

नौ नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में छह महिलाओं समेत नौ नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया जिनमें आठ लाख रुपए का इनामी नक्सली बंडू भी शामिल है। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से सात के सिर पर पर कुल 26 लाख रुपए का इनाम है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में नौ नक्सलियों बंडू उर्फ बंडी मड़काम (22), मासे उर्फ वेट्टी कन्नी (45), पदाम सम्मी (32), माड़वी हुंगा उर्फ कुव्वेर हुंगा (39), पुनेम मगंडी (36), कड़ती विज्जे उर्फ जयो (27), मड़कम शांति (22), मुचाकी मासे (32) और कड़ती हिड़िया (20) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने बताया कि नक्सली बंडू उर्फ बंडी मड़काम पीएलजीए बटालियन नंबर एक का सदस्य है तथा उसके सिर पर आठ लाख रुपए का इनाम है।

जबरन वसूली की कोशिश को विफल करना हत्या की वजह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र के बीड जिले की एक अदालत को अभियोजन पक्ष ने बुधवार को सूचित किया कि जिले के मसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या पवनचक्की परियोजना से जुड़ी ऊर्जा कंपनी को निशाना बनाकर की जा रही जबरन वसूली की कोशिशों का विरोध करने की वजह से की गई।

अदालत द्वारा महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मीक कराड सहित आठ लोगों के खिलाफ अप्रैल में आरोप तय किए जाने की संभावना है। विशेष सरकारी वकील उज्ज्वल निकम ने बुधवार को प्रासंगिक दस्तावेजों सहित मामले के तथ्य अदालत में प्रस्तुत किए।

निकम ने बताया, अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि किस तरीके से देशमुख का पहले अपहरण किया गया, उन्हें शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया और फिर अंततः उनकी हत्या कर दी गई। लोक अभियोजक ने बताया कि

सरपंच हत्या मामला

अदालत को यह भी बताया गया कि अपराध के पीछे का मकसद देशमुख का हस्तक्षेप और कंपनी से आरोपियों द्वारा की गई जबरन वसूली के प्रयासों का विरोध करना था। अदालत में इस मामले की अगली सुनवाई 10 अप्रैल को होगी। निकम ने कहा कि अदालत अगले महीने मामले में आरोप तय करेगी जिसके बाद मुकदमा शुरू होगा। सरपंच की हत्या मामले में गिरफ्तार आरोपियों को बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत में पेश किया गया। बीड जिले के मासाजोग गांव के सरपंच देशमुख को पिछले साल नौ दिसंबर को कथित तौर पर एक ऊर्जा कंपनी को निशाना बनाकर की जा रही जबरन वसूली को रोकने का प्रयास करने पर अगवा कर लिया गया था और उन्हें यातनाएं देकर मार डाला गया था। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मीक कराड सहित आठ लोगों को अब तक इस मामले में गिरफ्तार किया गया है और उन पर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) की धाराएं लगाई गई हैं। मामले में गिरफ्तार अन्य आरोपियों की पहचान सुदर्शन घुले, विष्णु चाटे, जयराम चाटे, महेश केदार, सुधीर सांगले, प्रतीक घुले और सिद्धार्थ सोनावणे के रूप में हुई। इस मामले में कृष्णा अंधले नामक व्यक्ति वांछित आरोपी है।

'दपरे' के महाप्रबंधक ने बेंगलूरु में प्रमुख रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने बुधवार को बेंगलूरु में कई प्रमुख रेलवे स्टेशनों का दौरा किया, तथा यात्री अनुभव और परिचालन दक्षता में सुधार लाने के उद्देश्य से चल रही परियोजनाओं का निरीक्षण किया। माथुर ने अपने दौरे की शुरुआत केएसआर बेंगलूरु रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करके की। निरीक्षण के दौरान, उन्होंने स्टेशन के पुनर्विकास के लिए प्रस्तावित लेआउट और यार्ड रीमॉडलिंग योजनाओं की समीक्षा की। बेंगलूरु के मंडल रेल प्रबंधक अमितेश कुमार सिन्हा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, माथुर ने बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने और सुचारू परिचालन सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन को उन्नत करने की रणनीतियों पर चर्चा की।

केएसआर बेंगलूरु के निरीक्षण के बाद, माथुर ने यशवंतपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया और मौजूदा सुविधाओं की समीक्षा करने के लिए एसएमवीटी बेंगलूरु स्टेशन का भी दौरा किया। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ यात्री सुविधा और परिचालन दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से चल रहे सुधारों और पहलों के बारे में चर्चा की।

महाप्रबंधक ने बेंगलूरु कैंट स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य का भी निरीक्षण किया और बेंगलूरु की गति शक्ति इकाई द्वारा किए जा रहे चौगुनेपन परियोजना की प्रगति का जायजा लिया। उन्हें इन महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में प्रगति के बारे में जानकारी दी गई, जिनसे क्षेत्र में कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार और ट्रेन सेवाओं को सुव्यवस्थित करने की उम्मीद है। स्टेशन निरीक्षण के अलावा, माथुर ने बेंगलूरु कैंटोनमेंट के निर्माण कार्यालय में निर्माण संगठन, के-राइड और आरएलडीए के अधिकारियों के साथ एक परियोजना समीक्षा बैठक की। बैठक में चल रही परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा और भविष्य के विकास के समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें बेंगलूरु रेलवे नेटवर्क के समग्र बुनियादी ढांचे और सेवाओं को बढ़ाने पर जोर दिया गया। महाप्रबंधक का दौरा सुविधाओं में सुधार, यात्री आराम को बढ़ाने और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए दक्षिण पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

यतनाल का निष्कासन कोई विशेष प्रभाव नहीं डालेगा : अश्वत्थनारायण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता अश्वथनारायण ने कहा कि बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के निष्कासन से पार्टी पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। बुधवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने सवालों के जवाब दिए। प्रहलाद जोशी के समय भी उन्हें निष्कासित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि भले ही येडीयुरप्पा ने इसे रद्द कर दिया और उन्हें पार्टी में शामिल कर लिया, लेकिन उनके व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, भाजपा विधायक ने पार्टी नेताओं के खिलाफ अनुशासनहीन व्यवहार किया था। उन्होंने न केवल उनके खिलाफ बयान दिया, बल्कि पार्टी को शर्मिंदा करने वाला बयान भी जारी किया। उन्होंने बताया कि यह सिलसिला कई वर्षों से चल रहा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी और आडवाणी के खिलाफ तथा कर्नाटक में येडीयुरप्पा, प्रहलाद जोशी और जगदीश शेट्टर के खिलाफ ऐसा व्यवहार किया जिससे पार्टी को शर्मिंदगी उठानी पड़ी।

केंद्रीय अनुशासन समिति ने उन्हें तीन बार नोटिस जारी किया था। उनसे सुधार और गलती को सुधारने की उम्मीद की गई थी। उन्होंने गलती सुधारी नहीं है। केंद्रीय अनुशासन समिति ने यतनाल को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। यह केंद्रीय अनुशासन समिति और पार्टी का निर्णय है। उन्होंने कहा कि यह दूसरी बार है जब उन्हें निष्कासित किया गया है। उन्होंने हमारे उम्मीदवार के खिलाफ एमएलसी सीट के लिए चुनाव लड़ा और एमएलसी बन गए। हालांकि, येडीयुरप्पा ने निष्कासन रद्द कर दिया और उन्हें विधायक का टिकट दे दिया। उनमें कोई सुधार नहीं हुआ; वे आलोचना करने आये। उन्होंने बताया कि पार्टी ने उनके बयानों और व्यवहार को गंभीरता से लिया और उन्हें निष्कासित कर दिया। राज्य भाजपा पार्टी के इस निर्णय का स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि पार्टी के खिलाफ अनुशासनहीन व्यवहार करने वालों को यह जान लेना चाहिए कि यह एक चेतावनी है।

कांग्रेस की नीति जाति पूछकर वोट बैंक पर अंकुश लगाने की है : सीटी रवि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' इस मंत्र के माध्यम से इस योजना को सभी के लिए सुलभ बनाया गया है। पूर्व मंत्री एवं विधान परिषद सदस्य सीटी रवि ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने कभी किसी प्रोजेक्ट में जाति के बारे में नहीं पूछा। बुधवार को मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि एक जनधन खाता खोला। क्या आपने पूछा कि आपकी जाति क्या है? क्या जब आपको किसान सम्मान दिया गया तो आपसे आपकी जाति पूछी गई थी? क्या सबको चावल देते समय उनकी जाति पूछी जाती थी? वहीं कांग्रेस की नीति जाति पूछकर वोट बैंक साधने की है।

सीटी रवि ने कहा कि यह मोदी की नीति नहीं है। अगर प्रियांक खरगे ने स्वयं यह पेपर पढ़ा है तो उसे पूरा पढ़ें। यह स्पष्ट है कि यह कोई सरकारी कार्यक्रम नहीं है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा रमजान के मद्देनजर मोदी के नाम पर निजी तौर पर 32 लाख किट वितरित कर रहा है। सरकार ऐसा नहीं करती; भाजपा ऐसा नहीं कर रही है; भाजपा का एक मोर्चा मोदी के नाम पर किट बांट रहा है। सरकार का कार्यक्रम अलग है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मोर्चा का कार्यक्रम अलग है। भाजपा सरकार ने सभी जातियों को सुविधाएं प्रदान की हैं। सीटी रवि ने आपत्ति जताते हुए कहा कि केवल कांग्रेस पार्टी ही जाति के आधार पर 'एक आंख मक्खन और दूसरी आंख चूना' की नीति का पालन करती है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सरकारी पैसा नहीं है; अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष का कार्यक्रम है। कर्नाटक 'शादी भाग्य' का मुद्दा उठाया है, जिसमें सरकार की ओर से केवल मुसलमानों को ही उनकी शादी के लिए पैसा दिया जाता है। उन्होंने सवाल किया कि हाल ही में 4% धर्म-आधारित आरक्षण को असंवैधानिक बताया है। संविधान में धर्म आधारित आरक्षण की अनुमति कहां है? उसके बाद भी कर्नाटक सरकार ने अंबेडकर की इच्छा के विरुद्ध यह कानून लाएं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने समाज को बांटने और देश को जाति और धर्म के आधार पर बांटने का काम किया है।

मोहपाश पर राजन्ना की अर्जी की जांच कानूनी दायरे में की जाएगी : गृह मंत्री परमेश्वर

गोकर्ण। कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि सरकार, सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना की अर्जी पर कानूनी दायरे में विवेकपूर्ण तरीके से विचार करेगी और आवश्यक कार्रवाई करेगी। राजन्ना ने मंगलवार को परमेश्वर को एक अर्जी सौंपी थी, जिसमें उन्हें कथित तौर पर मोहपाश (हनीट्रैप) में फंसाने के प्रयास की जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की गई थी।

परमेश्वर ने कहा, उन्होंने (राजन्ना ने) मुझे एक अर्जी दी है, हम (सरकार) कानूनी दायरे में इसकी जांच करेंगे और आगे की कार्रवाई करेंगे। गृहमंत्री ने यहां पत्रकारों से कहा, उन्होंने (राजन्ना ने) मुझे एक अर्जी दी है। मुझसे शिकायत नहीं की जा सकती, क्योंकि मैं पुलिस नहीं हूं। हम कानून के दायरे में अर्जी की जांच करेंगे और कार्रवाई करेंगे। परमेश्वर ने मंगलवार को कहा था कि सरकार कानूनी दल से परामर्श करने और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से चर्चा करने के बाद मामले के संबंध में आगे की कार्रवाई व जांच की प्रकृति पर फैसला करेगी।

रिश्वत देते हुए रंगे हाथ पकड़ाए पुलिस अधिकारी

बेंगलूरु। लोकायुक्त पुलिस ने उत्तर पूर्व विभाग के एक एसीपी और एक एएसआई को रंगेहाथ रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। जानकारी के अनुसार साफ्टवेयर कम्पनी चलाने वाले मधुसूदन के लोकायुक्त को शिकायत दर्ज कराई की किसी केस के मामले में पुलिस उनसे 4 लाख रुपए रिश्वत के रूप में मांग रही है। लोकायुक्त पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उत्तरपूर्व विभाग के साइबर क्राइम में एसीपी तनवीर और एएसआई कृष्ण मूर्ति को मधुसूदन से 2 लाख रुपए लेते समय गिरफ्तार किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

न्यायालय ने कर्नाटक विधानसभा में मोहपाश के आरोपों की जांच सीबीआई से कराने की याचिका खारिज की

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक में एक मंत्री और अन्य राजनीतिक नेताओं को कथित रूप से मोहपाश (हनीट्रैप) में फंसाने का प्रयास करने के मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने का अनुरोध करने वाली याचिका बुधवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ, न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता बिनय कुमार सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में जांच की निगरानी शीर्ष अदालत या फिर उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा कराए जाने का भी अनुरोध किया गया था।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील बरुण कुमार सिन्हा ने कहा कि मीडिया में आई खबरों के अनुसार मामले के पीछे छिपे लोगों के खिलाफ गहन जांच की जरूरत है। याचिका में आरोप लगाया गया कि कुछ निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा न्यायाधीशों को मोहपाश में फंसाना न्यायपालिका की स्वतंत्रता और कानून के शासन के लिए गंभीर खतरा है। अधिवक्ता अभिषेक द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया, 21 मार्च 2025 को विभिन्न समाचार मंचों ने कर्नाटक राज्य विधानमंडल यानी विधान सौधा के सदस्यों पर गंभीर आरोपों की खबरें चलाईं थी। खबर में कहा गया कि राज्य का मुख्यमंत्री बनने की चाहत रखने वाला एक व्यक्ति न्यायाधीशों सहित कई लोगों को मोहपाश में फंसाने में सफल रहा है। याचिका के मुताबिक, आरोप एक मौजूदा मंत्री द्वारा लगाए गए हैं, जिन्होंने खुद को पीड़ित बताया है और इससे गंभीर आरोपों को विश्वसनीयता मिलती है।

युवाओं को सट्टेबाजी में फंसाने की साजिश के खिलाफ सीबीआई ने छापेमारी की : विष्णु देव साय

बेंगलूरु। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बुधवार को यहां कहा कि उनके राज्य में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की छापेमारी मोबाइल एप्लीकेशन के जरिये युवाओं को सट्टेबाजी में फंसाने की साजिश के खिलाफ थी। साय छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उनके करीबी सहयोगियों और 10 से अधिक अधिकारियों से जुड़े ठिकानों पर केंद्रीय एजेंसी द्वारा की गई छापेमारी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री निवेशकों की एक बैठक के लिए बेंगलूरु आए थे।

निवेशकों की बैठक के लिए यहां आए साय ने संवाददाताओं से कहा, ''जहां तक मुझे पता है, छापेमारी महादेव बेटिंग ऐप योजना से संबंधित है। पूरी दुनिया जानती है कि कुछ लोगों ने महादेव ऐप के जरिये हमारे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है।'' साय ने आरोप लगाया कि लोगों को सट्टे की लत लगा दी गई। उन्होंने कहा, ''कुछ आरोपी भारत से बाहर भी हैं। जब लोगों ने इसकी शिकायत की, तो राज्य सरकार ने मामला सीबीआई को सौंप दिया, जिसने आज छापेमारी की।'' सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी ने बुधवार को 6,000 करोड़ रुपये के कथित महादेव ऐप घोटाले के सिलसिले में बघेल के आवास पर छापेमारी की। उन्होंने बताया कि एजेंसी के दलों ने रायपुर और भिलाई स्थित बघेल के आवासों के साथ-साथ पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी और पूर्व मुख्यमंत्री के एक करीबी सहयोगी के घरों पर भी छापेमारी की।

छत्तीसगढ़ में डेढ़ महीने में 325 से अधिक नक्सली मारे गए : विष्णु देव साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बुधवार को कहा कि राज्य में पिछले डेढ़ महीने में 325 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं और 2,000 से अधिक को या तो गिरफ्तार कर लिया गया है या उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री निवेशकों की एक बैठक के लिए यहां आए थे। साय ने दावा किया, ऐसी छवि बनाई गई है कि पूरा छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से ग्रस्त है, जो सच नहीं है। छत्तीसगढ़ का एक छोटा-सा क्षेत्र, जो बस्तर है, नक्सलवाद की समस्या से ग्रस्त है और राज्य का बाकी हिस्सा इस समस्या से मुक्त है।

साय ने संवाददाताओं से कहा, ''हमारी एक साल पुरानी सरकार और हमारे सुरक्षा बल नक्सल समस्या के खिलाफ बहादुरी से लड़ रहे हैं और हमारा मानना है कि महज डेढ़ महीने में 325 से अधिक नक्सली मारे गए हैं और 2,000 से अधिक नक्सलियों को या तो गिरफ्तार कर लिया गया है या उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया है।'' उन्होंने कहा, ''हमें पूरा विश्वास है कि नक्सल समस्या का जल्द ही खात्मा कर दिया जाएगा।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य ने आत्मसमर्पण करने वालों के लिए अनुकूल पुनर्वास पैकेज तैयार किया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, नक्सल प्रभावित इलाकों में 'आपका सुंदर गांव' नाम से एक योजना भी शुरू की गई है, जिसके तहत वहां करीब 38 सुरक्षा शिविर खोले गए हैं। साय ने कहा कि इस योजना का लाभ 100 से अधिक गांवों को दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक नक्सल समस्या को खत्म करने का संकल्प लिया है।

आमंत्रण

नई दिल्ली में बुधवार को शिवमोग्गा के सांसद बीवाई राघवेंद्र ने अपनी पत्नी तेजस्विनी के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उन्हें अपने बेटे बीआर सुभाष की शादी का निमंत्रण दिया। इस मौके पर कर्नाटक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र येडीयुरप्पा भी उपस्थित थे।

बैठक

बेंगलूरु में बुधवार को विधानसौधा में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से संबंधित एक बैठक की आयोजित की गई। इस कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव, चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल, अतिरिक्त मुख्य सचिव हर्ष गुप्ता, उमाशंकर और अन्य ने भाग लिया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

मुंबई और बेंगलूरु के बीच ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ग्रीष्म ऋतु के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, मध्य रेलवे ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मुंबई और सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु के बीच 13 ट्रिप के लिए ग्रीष्मकालीन विशेष एक्सप्रेस ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 01013 सीएसएमटी मुंबई-एसएमवीटी बेंगलूरु विशेष एक्सप्रेस 5, 12, 19, 26 अप्रैल; 3, 10, 17, 24, 31 मई; और 7, 14, 21, 28 जून (शनिवार) को सीएसएमटी मुंबई से 00:30 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 23:55 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 01014 एसएमवीटी बेंगलूरु-सीएसएमटी मुंबई स्पेशल एक्सप्रेस 6, 13, 20, 27 अप्रैल, 4, 11, 18, 25 मई; और 1, 8, 15, 22, 29 (रविवार) जून को 04:40 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:05 बजे सीएसएमटी मुंबई पहुंचेगी। रास्ते में, ट्रेन दोनों दिशाओं में दादर, ठाणे, कल्याण, लोनावाला, पुणे, सतारा, कराड, सांगली, मिराज, कुदाची, रायबाग, घाटप्रभा, बेलगावी, लोंडा, धारवाड़, एसएसएस हुबली, एसएमएम हावेरी, रानीबेन्नूर, हरिहर, दावणगेरे, बिरूर, अरसीकेरे और तुमकुरु स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में 22 कोच होंगे, जिनमें शामिल हैं: 1-एसी टू टियर, 5-एसी थ्री टियर, 10-स्लीपर क्लास, 4-जनरल सेकंड क्लास और 2-एसएलआरडी कोच होंगे। आरक्षण और आगमन/प्रस्थान समय के बारे में अधिक जानकारी के लिए, यात्री आधिकारिक रेलवे वेबसाइट पर जा सकते हैं या निकटतम रेलवे बुकिंग काउंटर से संपर्क कर सकते हैं।

पुलिस मुठभेड़ में चेन स्नेचर की मौत

चेन्नई । चेन्नई पुलिस ने मंगलवार को एक चेन स्नेचर को गिरफ्तार किया। आरोपी बुधवार सुबह चेन्नई के तारामणि रेलवे स्टेशन क्षेत्र के पास पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस के अनुसार, वह भागने की कोशिश कर रहा था। तमिलनाडु बीएसपी के प्रदेश अध्यक्ष के आर्मस्ट्रांग की हत्या के बाद जुलाई 2024 में ए. अरुण के ग्रेटर चेन्नई पुलिस कमिश्नर के रूप में पदभार संभालने के बाद से शहर में यह चौथी मुठभेड़ से संबंधित मौत है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के मूल निवासी जाफर गुलाम हुसैन (28) को उसके साथी सूरज के साथ मंगलवार को चेन्नई हवाई अड्डे पर उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे नई दिल्ली जाने वाली उड़ान में सवार होने का प्रयास कर रहे थे। दोनों कथित तौर पर शहर भर में कई चेन-स्नेचिंग की घटनाओं में शामिल रहे हैं।

भा रा रा प्रा NHAI
भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण
(सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय)
जी-5 एवं 6, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075

31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अनंकेक्षित वित्तीय परिणाम
(सेबी के परिपत्र संख्या सेबी/एचओ/डीडीएचएस_डीआईवी1/पी/सीआईआर/2022/0000000103 दिनांक 29 जुलाई, 2022 के अनुसार)

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही		समाप्त वर्ष
		31 दिसंबर, 2024	31 दिसंबर, 2023	31 मार्च, 2024
		अनंकेक्षित	अनंकेक्षित	अनंकेक्षित
1.	प्रचालनों से कुल आय*	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
2.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (पिछली अवधि, कर, असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों से पूर्व)	(214.970	(211.11)	(803.77)
3.	कर पूर्व अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(218.34)	(232.39)	(800.79)
4.	कर पश्चात् अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण एवं अथवा विशिष्ट मदों के बाद)	(218.34)	(232.39)	(800.79)
5.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर पश्चात्) तथा अन्य व्यापक आय के बाद (कर पश्चात्)**	(218.34)	(232.39)	(800.79)
6.	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (शेरधारकों का निधि)***	8,87,839.88	6,65,980.65	7,08,177.58
7.	संचिक कोष (पुनर्मूल्यांकन संचित कोष को छोड़कर)	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
8.	सिक्योरिटीज प्रीमियम खाता	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
9.	नेटवर्थ (6-7)	8,87,839.88	6,65,980.65	7,08,177.58
10.	प्रदत्त ऋण पूंजी/बकाया ऋण	2,76,046.09	3,38,875.66	3,35,373.20
11.	बकाया प्रतिदेय अधिमान्य शेयर्स	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
12.	ऋण इक्विटी अनुपात****	0.31	0.51	0.47
13.	प्रति शेयर अर्जन (प्रत्येक रु. ..../- का) (निरंतरता एवं गैर-निरंतरता प्रचालनों हेतु) 1. बेसिक 2. डायल्यूटेड	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
14.	पूंजी विमोचन संचित कोष	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
15.	डिबेंचर विमोचन संचित कोष	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
16.	ऋण सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं
17.	ब्याज सेवा कवरेज अनुपात	मान्य नहीं	मान्य नहीं	मान्य नहीं

*प्राधिकरण के पास भारत सरकार की ओर से परिसंपत्तियां है, इसलिए संचालनों से कोई आय नहीं है।
**प्राधिकरण की लेखा नीति के आधार पर व्ययो को पूंजीकृत किया गया है।
***शेयरधारकों की निधि = पूंजी आधार, उप कर निधि, अतिरिक्त बजटीय समर्थन, इनवीट से आय, टोल प्लाजाओं के रखरखाव व्यय तथा रिज़र्व और अधिशेष/लाभ एवं हानि खाते के बकाया ऋण की कटौती के पश्चात् जमा टोल की वापसी के बाद की कुल राशि।
****ऋण इक्विटी अनुपात = बकाया ऋण/शेयरधारकों की निधि।
क) उपरोक्त विवरण एलओडीआर नियम के विनियम 52 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों में दर्ज तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारांश है। तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (www.bseindia.com एवं www.nse.india.com) तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की वेबसाइट (www.nhai.gov.in) पर उपलब्ध है।
ख) एलओडीआर निमय के विनियम 52(4) में संदर्भित अन्य लाइन मदों के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को उचित उद्घोषणा कर दी गई है तथा जो वेबसाइट (www.bseinida.com एवं www.nse.india.com) पर देखी जा सकती है।

प्राधिकरण के बोर्ड के लिए एवं की ओर से
दिनांक : 26.03.2025
स्थान : नई दिल्ली
ह./- सदस्य (वित्त)
ह./- अध्यक्ष

सड़के ही नहीं; राष्ट्र का निमाण भी
Pamm

राज्य सरकार कृषक हित में उठा रही अहम कदम : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अन्नदाता किसान देश एवं प्रदेश की आत्मा है अगर किसान विकसित होगा तो देश-प्रदेश विकसित एवं खुशहाल होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का सपना सिर्फ 'कृषि विकास' ही नहीं 'कृषि गौरव' है। हम चाहते हैं कि राजस्थान का किसान देश में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में आदर्श बने। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) से जुड़ें जिससे वे लाभ की खेती कर खुद को सशक्त बना सकें। शर्मा बुधवार को बीकानेर में राजस्थान दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के तहत आयोजित किसान सम्मेलन एवं किसान उत्पादक संगठन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को राजस्थान दिवस तथा भारतीय नववर्ष 2082 की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इस वर्ष से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर राजस्थान दिवस मनाने का निर्णय लिया है तथा प्रदेशवासी धूमधाम से राजस्थान दिवस मनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम किसानों के सम्मान को समर्पित है। किसान सिर्फ खेती नहीं करते, वे जीवन की नींव रखते हैं। किसानों की मेहनत से ही भारत ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की है तथा विश्व में हम एक अग्रणी कृषि शक्ति के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा कि किसान सूरज की तपती धूप, कड़ाके की सर्दी तथा बारिश की बौछार में भी खेतों में खड़े रहकर सिंचाई करते हैं और रखवाली करते हैं। किसानों का यह त्याग और समर्पण अप्रतिम है।

आज बीकानेर में हुए किसान सम्मेलन एवं एफपीओ कार्यक्रम में 30 हजार किसानों को 137 करोड़ रुपये का अनुदान हस्तान्तरण किया गया। साथ ही, इसमें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि राशि में वृद्धि एवं मुख्यमंत्री थार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के दिशा-निर्देश जारी किए गए। इसके अलावा मंगला पशु बीमा योजना में लाभान्वितों का दायरा भी बढ़ाया गया है। कार्यक्रम में पशुधन निःशुल्क आरोग्य योजना के अन्तर्गत निःशुल्क उपलब्ध करवाये जा रहे औषधियों व टीकों की संख्या बढाकर 200 किए जाने तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के विभिन्न दिशा-निर्देश जारी किए गए। ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए बैल से खेती करवाये जाने पर 30 हजार की प्रोत्साहन राशि के दिशा-निर्देश जारी किए गए। पीएमएफएमई योजना के तीन एफपीओ को अनुदान के तथा एक एफपीओ को शेयर मनी के चैक वितरण किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि लघु एवं सीमांत कृषकों को लाभ की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए एफपीओ एक बड़ी पहल है। एफपीओ के माध्यम से किसान सामूहिक होकर काम करते हैं जिससे उन्हें कृषि अनुदान, सस्ते बीज तथा फसल का उचित मूल्य मिलता है। राज्य सरकार किसानों के हितों का ध्यान रखने के लिए एफपीओ जैसी पहलों को प्रोत्साहित कर रही है।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार किसानों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही हैं। केन्द्र सरकार द्वारा 10 हजार एफपीओ का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत राज्य में 72 लाख से अधिक किसानों को 1 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित, लगभग 47 लाख किसानों को 29 हजार करोड़ रुपये का अल्पकालीन ब्याजमुक्त फसली ऋण तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक के बीमा क्लेम वितरित किए गए हैं।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के लिए किसान हित पहली प्राथमिकता है। हमनें अपने पहले ही वर्ष में किसान सम्मान निधि में सहायता राशि को 6 हजार रुपये से बढ़ाकर 8 हजार किया जिसे अब बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत 20 लाख से अधिक पशुओं का पंजीकरण, पशुधन निःशुल्क आरोग्य योजना के तहत निःशुल्क औषधियां और टीके उपलब्ध कराना, मोबाइल वेटनरी सेवा नंबर 1962 प्रारंभ करने, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना के तहत लगभग 34 हजार पात्र गोपालकों के ऋण स्वीकृती सहित विभिन्न निर्णयों से पशुपालकों को राहत दी जा रही है। इस वर्ष के बजट में भी बांसवाड़ा में 20 करोड़ रुपये की लागत से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मेज की स्थापना, ग्लोबल राजस्थान एग्री टेक मीट (ग्राम) का आयोजन, विभिन्न क्षेत्रों में कृषि उपज मंडी खोलने जैसे प्रावधानों से किसान समृद्ध बनेंगे।

शिक्षा से खुलती हैं विकास की राहें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को कहा कि शिक्षा से विकास की राहें खुलती हैं और विकसित भारत के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। बागड़े बुधवार को बीकानेर में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत ज्ञान परंपरा में श्रेष्ठतम रहा है एवं प्राचीन ज्ञान के आलोक में विद्यार्थी आधुनिक विकास के लिए कार्य करें। उन्होंने विकसित भारत के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने बीकानेर को सांख्य दर्शन के प्रणेता महर्षि कपिल की तपोभूमि बताते हुए कहा कि प्राचीन ज्ञान की धारा से आलोकित नई शिक्षा नीति के अंतर्गत युवा पीढ़ी भारत के गौरव से कैसे जुड़े, इस पर सभी स्तरों पर चिंतन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन विद्यार्थियों ने शिक्षा अर्जित की है, वे इसका समुचित उपयोग देश के नवनिर्माण में करें। राज्यपाल ने कहा, दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं, (बल्कि) शुरुआत है।

विद्यार्थी इस दौरान सीखे हुए ज्ञान का उपयोग भावी जीवन के निर्माण तथा समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए करें। उन्होंने कहा कि सीखने की कोई आयु नहीं होती एवं पुस्तकें इसका सबसे बड़ा स्रोत होती हैं। उन्होंने कहा, नई शिक्षा नीति में कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह नीति रोजगार पाने की नहीं, रोजगार देने की मानसिकता से जुड़ी है। विद्यार्थी ऐसे हुनर सीखें, जिससे भविष्य में उन्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना पडे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं 'आर्गेनाइजर' के सम्पादक प्रफुल्ल केतकर ने कहा कि विश्वविद्यालयों का दायित्व केवल विद्यार्थियों को पढ़ाना अथवा उपाधियां देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में मानवता, सहिष्णुता, स्वीकार्यता, तर्कशक्ति पैदा करना तथा उन्हें वैचारिक विकास एवं सत्य की खोज के लिए प्रेरित करना है।

राज्यपाल ने महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय द्वारा नई शिक्षा नीति के आलोक में 'चॉइस बेस्ड क्रेडिट' प्रणाली लागू करने पर और सभी सम्बद्ध कॉलेजों के लिए प्रयोगशाला निर्माण की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की पहचान उसकी इमारतों और परिसरों से नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता और युवाओं के दिए जाने वाले ज्ञान की परम्परा से बनती है।

आईफा के 100 करोड़ अस्पतालों को मिलते तो जनता को राहत मिलती : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर मौजूदा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को आड़े हाथों लिया है। गहलोत ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति दिनोंदिन बिगड़ती जा रही है और आम जनता इलाज के लिए भटक रही है। गहलोत ने आईफा कार्यक्रम पर खर्च किए गए 100 करोड़ रुपए पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर यह राशि सरकारी अस्पतालों को मिलती तो जनता को ज्यादा राहत मिलती। उन्होंने कहाकि सरकार को इवेंट मैनेजमेंट की जगह जनता की स्वास्थ्य सेवाओं पर ध्यान देना चाहिए। गहलोत ने राज्य के सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कमी, डॉक्टरों की कमी और अन्य सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आम जनता को इलाज के लिए निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है, जो उनकी जेब पर भारी पड़ रहा है।

गहलोत ने राज्य सरकार पर स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर असंवेदनशील होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता की परेशानियों से कोई सरोकार नहीं है और वे केवल इवेंट मैनेजमेंट में व्यस्त हैं।

दीया कुमारी ने झुंझुनूं जिले के खिरोड़ में शहीद हवलदार रामजी लाल कटेवा की मूर्ति का किया अनावरण

जयपुर/दक्षिण भारत। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ तहसील के खिरोड़ में शहीद हवलदार रामजी लाल कटेवा की मूर्ति का अनावरण किया। इस मौके पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने शहीदों के बलिदान को अमूल्य बताया। उन्होंने देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपयी को याद करते हुए कहा कि वाजपेयी जी ने शहीदों की पार्थिव देह को शहीदों के घर तक पहुंचाने का कार्य शुरु किया था। दीया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सैनिक कल्याण के क्षेत्र में 'वन रैंक, वन पेंशन' शुरु करने के लिए आभार जताते हुए विगत 11 वर्षों में देश में सैनिक कल्याण और सुरक्षा व्यवस्था के क्षेत्र में हुए कार्यों की भी जानकारी आमजन को दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंगलवार को बाड़मेर में आयोजित सभा में 30 हजार से अधिक संख्या में महिलाएं आईं, जो बड़ी बात है। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने क्षेत्र के शहीदों की वीरांगनाओं का भी सम्मान किया।

उपमुख्यमंत्री ने नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल और शहीद के परिजनों की मांग को स्वीकार करते हुए तुर्किनी जोहड़ से कैमरी की ढाणी तक 5 किलोमीटर सड़क निर्माण शहीद कटेवा के नाम से करने की घोषणा की।

कोटा में नीट के अभ्यर्थी फंदे पर लटका मिला, इस साल नौवीं संदिग्ध आत्महत्या

कोटा। कोटा के जवाहर नगर इलाके में मंगलवार को 17 वर्षीय मेडिकल छात्र ने अपने छात्रावास के कमरे में लोहे की छड़ से लटक कर कथित तौर पर फांसी लगा ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, जनवरी से अब तक कोटा में कोचिंग छात्रों द्वारा संदिग्ध आत्महत्या का यह नौवां मामला है। पुलिस ने बताया कि बिहार के नालंदा जिला निवासी हर्षराज शंकर पिछले साल अप्रैल से यहां एक कोचिंग संस्थान में मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था।

जवाहर नगर के थाना प्रभारी रामलक्ष्मण ने बताया कि छात्रावास के 'केयरटेकर' ने दोपहर को सूचित किया कि लड़के ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया है और कोई प्रतिक्रिया नहीं कर रहा है, सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि टीम ने कमरे का दरवाजा तोड़ा और लड़के को लोहे की छड़ से लटका हुआ पाया। पुलिस ने बताया कि छात्रावास के कमरे में लगे पंखों में 'आत्महत्या निरोधक उपकरण' लगे हुए थे। इसलिए, छात्र ने खुद को फांसी लगाने के लिए लोहे की छड़ का इंतजाम किया।

भारत भूमि अन्नपूर्णा है, गौ धन संरक्षण के साथ रसायन मुक्त कृषि को बढ़ावा दें : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि भारत भूमि अन्नपूर्णा है। उन्होंने कहा कि फसल की वृद्धि एवं उससे उत्पादन लेने के लिए जो तत्व चाहिए वे सब भूमि में मौजूद हैं। उन्होंने गाय के गोबर का खाद के रूप में उपयोग कर रसायन मुक्त कृषि पद्धति को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने राजस्थान में देशी गाय के उपलब्ध दूध को महत्वपूर्ण बताया तथा गौ धन संरक्षण के लिए गौ शालाओं और अन्य किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की। बागड़े बुधवार को जयपुर में अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय किसान एवं गौपालक सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्र स्तरीय कृषि स्टार्टअप मेले के रूप में आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए स्वदेशी तकनीकों को प्रोत्साहन देने, किसानों के उत्पादों के प्रमाणन और ब्रांडिंग के लिए भी कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने प्राकृतिक खेती अपनाने और किसान की बाजार पर निर्भरता को खत्म कर उन्हें लाभान्वित किए जाने पर जोर दिया।

उन्होंने गाय को कामधेनु बताते हुए कहा कि मनुष्य के पोषण का बड़ा आधार गाय है। उन्होंने गाय, किसान और प्रकृति संरक्षण के लिए सभी को मिलकर काम करने की आवश्यकता जताई। राज्यपाल ने सभी स्थानों पर गौ पालन, औषधीय पौधों, सरकार की योजनाओं से किसानों को मिलने वाले लाभों, स्टार्टअप किसान हित में निवेशकों के सम्मेलन आदि की पहल करने पर जोर दिया। सम्मेलन में जोबनेर कृषि विश्वविद्यालय के प्रो. बलराज सिंह, अतुल गुप्ता, पवन अरोड़ा आदि ने भी गौ आधारित कृषि को बढ़ावा दिए जाने की बात कही। राज्यपाल बागड़े ने इससे पहले गौ पूजन किया और गाय को हरा चारा खिलाया। उन्होंने किसान मेले के विभिन्न स्टालों का भी अवलोकन किया।

जोधपुर व बीकानेर संभाग में इंदिरा गांधी नहर परियोजना की नहरबंदी शुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान में जोधपुर एवं बीकानेर संभाग के करीब 12 जिलो में बुधवार से इंदिरा गांधी नहर परियोजना की नहरबंदी शुरु हुई जो दो दिन तक चलेगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जैसलमेर, बीकानेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, जोधपुर, बाड़मेर, बालोतरा सहित बारह से अधिक जिलो में नहरी किसानों को इस बार सिंचाई का पानी नहीं मिलने के बाद अब नहरबंदी शुरु हुई है जो 27 मई तक चलेगी। सूत्रों के अनुसार इंदिरा गांधी नहर परियोजना की रिजाइनिंग कार्य के लिए यह नहरबंदी की जा रही है। इस दौरान नहर की मरम्मत और सफाई का कार्य किया जाएगा। 60 दिन के क्लोजर में पहले 30 दिनों तक सिर्फ पेयजल के लिए ही पानी छोड़ा जाएगा। इस आंशिक क्लोजर में 2 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जाएगा। इसके बाद 27 अप्रेल से 27 मई तक नहर में पूरी तरह से पानी की आवक बंद कर दी जाएगी। हालांकि अब तक जल संसाधन विभाग की ओर से नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है। गौरतलब है कि आगामी दिनों में नहरबंदी की तैयारियों को लेकर जल संसाधन विभाग और जलदाय विभाग की ओर से पेयजल भंडारण की तैयारियां शुरु कर दी गई है। आंशिक क्लोजर के दौरान भी 2 हजार क्यूसेक पानी फीडर से लिया जाएगा। ऐसे में पंजाब में पूरी तरह से 60 दिन का ही क्लोजर रहेगा। इस दौरान पंजाब में इंदिरा गांधी नहर परियोजना की रिजाइनिंग का काम करवाया जाएगा।

राजस्थान में इंदिरा गांधी नहर परियोजना की रिजाइनिंग सहित विभिन्न कार्यों के लिए 2018 में न्यू डवलपमेंट बैंक की ओर से 3 हजार 291 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया था। इससे इंदिरा गांधी नहर परियोजना, इंदिरा गांधी मुख्य नहर और इससे संबंधित वितरिकाओं की रिजाइनिंग होनी थी।

औपचारिकताएं पूरी होने के बाद देश को राजस्थान से बड़ा यूरेनियम भंडार मिलेगा : सरकार

नयी दिल्ली/जयपुर। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि राजस्थान के सीकर में यूरेनियनम उत्खनन के लिए मंजूरी और औपचारिकताएं पूरी होने के बाद देश को परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए एक बड़ा यूरेनियम भंडार मिलेगा। सिंह ने प्रश्नकाल में माकपा सांसद अमरा राम के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि सीकर में यूरेनियम के बड़े भंडार का पता चलने संबंधी सांसद की सूचना बिल्कुल सही है। उन्होंने कहा, पर्यावरण मंजूरी की वजह से काम रुका हुआ है। प्रदेश सरकार के साथ इस संबंध में संपर्क बना हुआ है। मंजूरी मिलने और औपचारिकताएं पूरी होने के बाद निश्चित ही हमें एक बड़ा (यूरेनियम) भंडार राजस्थान से मिलेगा। इस दौरान सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उपस्थित थे। सिंह ने बताया कि देश में संचालित कुल 25 परमाणु ऊर्जा रियेक्टर में से सर्वाधिक सात राजस्थान में हैं। उन्होंने कहा कि इस बार बजट में परमाणु मिशन की घोषणा की गई है और उसके लिए अलग से राशि निर्धारित की गई है।

गोडावण चूजे के जन्म के साथ ही आबादी बढने के नए आयाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान के जैसमलेर जिले में सम स्थित कंजर्वेशन ब्रीडिंग सेंटर में कृत्रिम गोडावण चूजे के जन्म के साथ ही धरती पर तेजी से लुप्त हो रहे राज्य पक्षी 'दी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' के संरक्षण एवं आबादी बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासो में एक बड़ी सफलता मिलने के नए आयाम जुड़े हैं। जिले में सम स्थित सम कंजर्वेशन ब्रीडिंग सेंटर में इस साल के दूसरे कृत्रिम गोडावण चूजे ने गत 21 मार्च को जन्म लिया है। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने पिछले रविवार को इसको लेकर इस वर्ष में दूसरी बार कैद में पाले गए ग्रेट इंडियन बस्टर्ड चूजे के सफलतापूर्वक कृतिम रूप से अंडे सेने की रोमांचक खबर साझा की।

यह घोषणा इस गंभीर रूप से लुप्तप्राय पक्षी की आबादी को संरक्षित करने और पुनर्स्थापित करने के भारत के चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में, वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने खुलासा किया कि 5 साल की मादा गोडावण 'अमन' और 4 साल के नर 'लियो' का योगदान है, जिन्होंने गत 26 फरवरी को एक अंडा दिया था। कृत्रिम रूप से सेने के बाद 21 मार्च को चूजे का जन्म हुआ, जिसे अब विशेष देखभाल में रखा गया है।

डेजर्ट नेशनल पार्क के डिप्टी कंजर्वेटर फॉरेस्ट बृज मोहन गुप्ता ने बताया कि 26 फरवरी को अमन नाम की एक 5 वर्षीय मादा ने सम कंजर्वेशन ब्रीडिंग सेंटर में 26 फरवरी को एक प्रजनन नर, लियो के साथ संभोग करने के बाद अंडा दिया था। अंडे को प्रोजेक्ट त्रढक्त के तहत काम करने वाली समर्पित टीम द्वारा कृत्रिम रूप से हैच किया गया था, जो ग्रह पर सबसे दुर्लभपक्षियों में से एक को बचाने के उद्देश्य से एक संरक्षण पहल है और गत 21 मार्च को गोडावण के एक और चूजे का जन्म हुआ है। उन्होंने बताया कि गत 21 मार्च को राष्ट्रीय संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम के तहत मिली इस सफलता से वन्यजीव संरक्षण विशेषज्ञों और प्रकृति प्रेमियों में उत्साह है।

पाकिस्तानी महिला हुमारा को वापस पाकिस्तान भेजा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अनूपगढ़, । भारत की सीमा में प्रवेश करने वाली पाकिस्तानी महिला को मंगलवार को वापस उसके देश भेज दिया गया। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पाकिस्तानी महिला हुमारा को अनूपगढ़ की बिंजोर पोस्ट से पाकिस्तान के सुपुर्द किया। इस दौरान बीएसएफ के अधिकारियों और पाकिस्तान रेंजर्स के बीएसआर रैंक के अधिकारियों के बीच फ्लैग मीटिंग भी हुई। महिला से पूछताछ और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद, बीएसएफ की 23वीं वाहिनी के अधिकारियों ने हुमारा को उचित प्रक्रियाओं के तहत पाकिस्तान रेंजर्स को सौंप दिया। इस दौरान महिला पुलिस की भी मौजूदगी रही।

हुमारा 17 मार्च को भारतीय सीमा में प्रवेश कर गई थी। इसके बाद बीएसएफ के जवानों ने महिला को वापस पाकिस्तानी सीमा में जाने के लिए कहा था, लेकिन महिला ने ऐसा करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद बीएसएफ ने उसे हिरासत में ले लिया था। इसके बाद बीएसएफ ने प्राथमिक पूछताछ की, जिसके बाद उसे श्रीगंगानगर स्थित संयुक्त जांच केंद्र भेजा गया।

इस दौरान हुमारा से करीब पांच दिन तक विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने पूछताछ की। शुरुआती पूछताछ के दौरान उसने भारत में शरण लेने की इच्छा जताई और कहा कि यदि उसे वापस भेजा गया तो उसकी जान को खतरा हो सकता है।

महिला ने खुद के बारे में बताया था कि वह बलूचिस्तान के केच जिले के दगरी खान गांव की रहने वाली है। उसने यह भी बताया कि उसके पति का नाम वसीम है और उसके माता-पिता मूल रूप से कराची के रहने वाले हैं। सुरक्षाकर्मियों ने उसके पास से एक मोबाइल फोन और आभूषण बरामद किए थे। हुमारा के भारत आने की यह घटना पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र में हाल ही में घटित हुई ट्रेन हाईजैकिंग के बाद हुई है, जिसने बलूचिस्तान को पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना दिया था।

बाजरे की एमएसपी पर खरीद कब शुरु होगी : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने राज्य की भजनलाल सरकार से प्रदेश में बाजरे पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद शुरु करने की मांग की हैं। गहलोत ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह मांग करते हुए कहा कि आज मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक सरकारी कार्यक्रम में जनता की शिकायतें बताने वाले एवं सरकार की कमियां उजागर करने वाले मेरे ट्वीट्स पर टिप्पणी की।

सिक्किम के मुख्यमंत्री ने पेश किया 16,196 करोड़ रुपए का बजट

गंगटोक/भाषा। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने बुधवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 16,196 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। सिक्किम का अगले वित्त वर्ष का बजट युवाओं को सशक्त बनाने, किसानों के उत्थान, बुनियादी ढांचे में निवेश और वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

बजट में 11,028 करोड़ रुपए का राजस्व व्यय और 5,168 करोड़ रुपए का पूंजीगत परिव्यय शामिल है। तमांग ने कहा कि केंद्र से करों का हस्तांतरण 5,519 करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जो राज्य सरकार की प्राप्तियों का एक प्रमुख स्रोत है। साथ ही 2,600 करोड़ रुपए केंद्र सरकार सिक्किम को 2025-26 में अनुदान और सहायता के रूप में प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 2,076 करोड़ रुपए का अपना कर राजस्व और 1,007 करोड़ रुपए का गैर-कर राजस्व जुटाएगी। उन्होंने कहा कि 2,651 करोड़ रुपए कर्ज के माध्यम से जुटाए जाएंगे।

कांग्रेस और सपा उत्तर प्रदेश के विकास में बाधा : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए इन पर प्रदेश के विकास में बाधा बनने का आरोप लगाया।

प्रदेश में भाजपा सरकार के आठ साल पूरा होने के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 25 वर्ष की आयु से ऊपर के लोगों को याद होगा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की लोक व्यवस्था पर उपद्रव और माफिया का राज था। उन्होंने जोर दिया कि यह स्थिति युवाओं, किसानों और आम लोगों के लिए विशेष रूप से गंभीर थी और इनमें से कई हतास थे। युवाओं के सामने पहचान का संकट था, किसान आत्महत्या किया करते थे और गरीब भूख से मरते थे।

इसके उलट, मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार में हुई प्रगति को रेखांकित करते हुए कहा, यह वही राज्य है जहां युवाओं को नौकरी नहीं मिलती थी और जब वे इस प्रदेश से बाहर जाते तो उनके सामने पहचान का संकट था। विकास का विरोध करने में विपक्ष की भूमिका का जिक्र करते हुए उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की आलोचना की। योगी आदित्यनाथ ने कहा, जब उत्तर प्रदेश के गर्व की बात आती है तो ये लोग सबसे पहले भ्रामक टिप्पणियां करते हैं। उन्होंने दावा किया, कांग्रेस और सपा कोविड महामारी के दौरान इस सरकार के खिलाफ लड़ रहे थे और राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा से प्रसन्न नहीं थे और फिर महाकुंभ के संबंध में झूठा प्रचार किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, जब इन लोगों कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को अवसर मिला तो इन्होंने कभी कोई विकास नहीं किया और जब उत्तर प्रदेश में विकास हो रहा है तो वे विकास के रास्ते बाधा बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन बाधाओं के बावजूद कृषि जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। कभी निराशा का सामना करने वाले किसान अब राज्य के विकास में योगदान कर रहे हैं और कोई किसान आत्महत्या नहीं कर रहा है।

पटना में वक्फ विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन, तेजस्वी एआईएमपीएलबी के धरने में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की राजधानी पटना में बुधवार को वक्फ विधेयक के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुआ। इस दौरान, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के इस अलोकतांत्रिक विधेयक को वापस लेने तक लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया।

तेजस्वी अपने बीमार पिता और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद के साथ पटना में धरने के लिए निर्धारित स्थल गर्दनीबाग पहुंचे और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) की ओर से आयोजित विरोध-प्रदर्शन के प्रति एकजुटता व्यक्त की। बमुश्किल एक किलोमीटरी की दूरी पर स्थित बिहार विधानसभा में तिरंगा लेकर पहुंचे राजद और वामपंथी विधायकों ने वक्फ विधेयक को लेकर सदन में जमकर हंगामा किया, जिसके चलते कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। विपक्षी विधायकों ने विवादास्पद विधेयक की निंदा करने वाले नारे लिखी तख्तियां भी थाम रखी थीं। तेजस्वी ने एआईएमपीएलबी की सभा में कहा, हम आपकी चिंताओं से सहमति रखते हैं और जब संयुक्त संसदीय समिति बिहार आई थी, तब हमारी पार्टी ने उसके समक्ष भी यही बात कही थी। हम तब तक लड़ेंगे, जब तक यह नागपुरिया अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक विधेयक वापस नहीं ले लिया जाता।

भाजपा सरकार स्वायत्तता में नहीं : टीएमसी सांसद

अधिकारों के केंद्रीकरण में विश्वास रखती है

नई दिल्ली/भाषा। विपक्ष के एक सांसद ने बुधवार को लोकसभा में आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार संस्थानों की स्वायत्तता में नहीं, बल्कि अधिकारों के केंद्रीकरण में विश्वास रखती है। उन्होंने सदन में 'त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी विधेयक, 2025' पर चर्चा में भाग लेते हुए यह बात कही। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात के आणंद में ग्रामीण प्रबंधन संस्थान को त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी के रूप में विश्वविद्यालय का दर्जा देने और उसे राष्ट्रीय महत्व की संस्था घोषित करने के प्रावधान वाला विधेयक सदन में चर्चा और पारित करने के लिए प्रस्तुत किया। इसे गत तीन फरवरी को लोकसभा में पेश किया गया था।

तृणमूल सांसद राय ने कहा, सहकारिता मंत्री अमित शाह इस विधेयक को लाए हैं, यह अच्छी बात है लेकिन मेरा डर यह है कि क्या इसके जरिए सरकार अमूल की स्वतंत्रता तो नहीं ले लेगी। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकर स्वायत्तता में नहीं, अधिकारों के केंद्रीकरण में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि उक्त विश्वविद्यालय की अकादमिक, प्रशासनिक और प्रबंधकीय स्वायत्तता रहनी चाहिए। राय ने विश्वविद्यालय का नाम सहकारिता आंदोलन के जनक माने जाने वाले त्रिभुवन दास पटेल के नाम पर रखे जाने के कदम का स्वागत किया।

बिरला ने राहुल को नियमों के अनुरूप आचरण के लिए कहा

राहुल बोले: अलोकतांत्रिक तरीके से चल रहा है सदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से कहा कि वह नियमों और सदन की मर्यादा के अनुरूप आचरण करें, जिसको लेकर कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सदन को अलोकतांत्रिक तरीके से चलाया जा रहा है और उन्हें बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा।

बिरला ने शून्यकाल के बाद कहा कि कई पिता-पुत्री, माता-बेटी और पति-पत्नी इस सदन के सदस्य रहे हैं और इसी परिप्रेक्ष्य में नेता प्रतिपक्ष से अपेक्षा की जाती है कि वह सदन के नियमों और परंपराओं के अनुरूप आचरण करेंगे। इसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद कांग्रेस के करीब 70 सांसदों ने बिरला से मुलाकात की और नेता प्रतिपक्ष को ''बोलने का मौका नहीं देने'' को लेकर विरोध दर्ज कराया।

बिरला ने सदन में कहा, सदन के सदस्यों से अपेक्षा की जाती है कि वे सदन की मर्यादा और शालीनता के उच्च मापदंडों को बनाए रखें। मेरे संज्ञान में कई ऐसी घटनाएं आई हैं कि सदस्यों के आचरण सदन की उच्च परंपराओं और मापदंडों के अनुरूप नहीं हैं। इस सदन में पिता-पुत्री, मां-बेटी और पति-पत्नी सदस्य रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में नेता प्रतिपक्ष से अपेक्षा है कि वह नियम 349 के तहत पालनीय नियमों के अनुसार सदन में आचरण- व्यवहार करें।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के साथ सुविधाओं को लेकर भेदभाव : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों को मिलने वाले सम्मान तथा सुविधाओं में ''भेदभाव'' पूरी तरह अस्वीकार्य है और वह उन्हें न्याय दिलाने का हरसंभव प्रयास करेंगे।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के सेवानिवृत्त जवानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को राहुल गांधी से संसद भवन स्थित कार्यालय में उनसे मुलाकात की।

इस मुलाकात को लेकर राहुल गांधी ने बुधवार को अपने व्हाट्सएप चैनल पर पोस्ट किया, संसद भवन में छह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के सेवानिवृत्त जवानों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात हुई। अपनी मांगों को लेकर एक विस्तृत चर्चा में उन्होंने बताया कि उन्हें मिलने वाली कल्याणकारी योजनाओं और सेवानिवृत्ति से जुड़े लाभ उनकी सेवा के अनुरूप पर्याप्त नहीं हैं। साथ ही अलग-अलग बलों के शहीदों को लेकर भेदभाव पर चिंता जाहिर की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, देश की सुरक्षा में तैनात हर एक जवान भारत का गौरव है। उन्हें मिलने वाले सम्मान और सुविधाओं में भेदभाव बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। उनकी आवाज़ बुलंद कर न्याय दिलाने का हरसंभव प्रयास करुंगा।

भाजपा का 'सौगात-ए-मोदी' कार्यक्रम विशुद्ध रूप से राजनीतिक : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'सौगात-ए-मोदी' कार्यक्रम की घोषणा के एक दिन बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बुधवार को इसे विशुद्ध रूप से राजनीतिक कार्यक्रम करार दिया।

भाजपा ने अल्पसंख्यकों से जुड़ने के उद्देश्य से मंगलवार को राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम शुरू किया, जिसकी शुरुआत महिलाओं के लिए खाद्य सामग्री और कपड़ों से युक्त किट के वितरण से हुई।

मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ईद, बैसाखी, गुड फ्राइडे, ईस्टर पर 32 लाख गरीब अल्पसंख्यक परिवारों तक सौगात-ए-मोदी के रूप में प्रधानमंत्री का 'प्रेम संदेश व भेंट' पहुंचाने की घोषणा के पीछे भाजपा का राजनीतिक स्वार्थ है। उन्होंने आगे लिखा, जब मुस्लिम एवं बहुजन समाज जान-माल, मजहब की सुरक्षा को लेकर दुखी और चिंतित है तो इसका (कार्यक्रम का) क्या लाभ?''

बसपा प्रमुख ने लिखा है, बेहतर होता अगर भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें मुस्लिम और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक समाज के कुछ गरीब परिवारों को 'सौगात-ए-मोदी' देने के बजाय उनकी अपार गरीबी, बेरोजगारी और पिछड़ेपन को दूर करने के लिए रोजगार की स्थायी व्यवस्था करतीं और उनकी सुरक्षा पर भी उचित ध्यान देतीं।

बिहार: राजद विधायक ने लालू के लिए भारत रत्न की मांग की

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने बुधवार को बिहार विधानसभा में मांग की कि पार्टी प्रमुख लालू प्रसाद को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से अलंकृत किया जाए। राजद विधायक मुकेश कुमार रौशन ने एक निजी विधेयक पेश करते हुए यह मांग उठाई, जिसे बाद में ध्वनिमत से खारिज कर दिया गया।

रौशन ने कहा, लालू जी देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। उन्होंने सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया और उन लोगों को आवाज दी, जिन्हें अनसुना कर दिया जाता था। वह देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' के हकदार हैं। राज्य सरकार को इस संबंध में केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजना चाहिए। रौशन ने लालू को गरीबों और वंचितों का 'मसीहा' बताते हुए कहा कि पार्टी के संस्थापक एवं अध्यक्ष ने गरीबों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी और अपना पूरा जीवन उनके लिए समर्पित कर दिया। संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, इस संबंध में ऐसा कोई प्रस्ताव राज्य सरकार के विचाराधीन नहीं है। इसलिए सदस्य को अपना निजी विधेयक वापस ले लेना चाहिए। राजद विधायक ने जब अपना विधेयक वापस लेने से इनकार कर दिया, तो उसे ध्वनिमत से गिरा दिया गया। इससे पहले भी राजद नेताओं ने यह मांग उठाई थी। पिछले साल अक्टूबर में पटना में राजद कार्यालय के बाहर लालू को 'भारत रत्न' से अलंकृत किए जाने की मांग वाला पोस्टर लगाया गया था। राजद नेता तेजस्वी यादव ने पहले भी कई मौकों पर अपने पिता लालू प्रसाद को 'भारत रत्न' से अंलकृत किए जाने की मांग का समर्थन किया है।

'सौगात-ए-मोदी' के तहत दी जा रही 'ईद किट' अल्पसंख्यकों तक पहुंचने की बड़ी पहल: अंसारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/बरेली/भाषा। उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने बुधवार को कहा कि आगामी ईद त्यौहार से पहले 'सौगात-ए-मोदी' के तहत वितरित की जा रही 'ईद किट' अल्पसंख्यकों तक पहुंचने की एक बड़ी पहल है।

अंसारी ने मुस्लिमों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई पहल 'सौगात-ए-मोदी' को इस पार्टी के 'सबका साथ, सबका विकास' सिद्धांत का ठोस उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश इस पहल का सबसे बड़ा लाभार्थी होगा।

'सौगात-ए-मोदी' के तहत ईद किट वितरण कार्यक्रम ऐसे समय में आया है जब राज्य संभल क्षेत्र में तनाव समेत मंदिर-मस्जिद से जुड़े विवादों का सामना कर रहा है। हाल ही में संभल में 16वीं शताब्दी की जामा मस्जिद का अदालत के आदेश पर सर्वेक्षण करने के दौरान हिंसा भड़क गई थी जिसमें चार लोगों की मृत्यु हो गई और कई लोग घायल हुए थे। अंसारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, यह पहली बार है जब किसी सरकार ने ईद से पहले अल्पसंख्यक समुदाय खासकर पसमांदा मुस्लिमों तक पहुंचने के बारे में सोचा। यह किट पूरे राज्य में वितरित की जा रही है जिसका सबसे अधिक लाभ उप्र को होने जा रहा है। स्वयं पसमांदा मुस्लिम और योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल में एकमात्र मुस्लिम चेहरा अंसारी ने 'ईद किट' के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इसे मुस्लिम समुदाय की जरूरतें पूरी करने के लिए डिजाइन किया गया है। उन्होंने कहा, इन किट में सेवईं, खजूर, सूखे मेवे और चीनी जैसी खाद्य वस्तुएं शामिल हैं। इसके अलावा, चार मुस्लिम बहनों के लिए सलवार सूट के कपड़े और अन्य वस्तुएं शामिल हैं। किस स्तर पर यह वितरण किया जा रहा है, यह पूछे जाने पर अंसारी ने कहा कि फिलहाल सटीक संख्या उपलब्ध नहीं है, लेकिन वितरण पहले ही उत्तर प्रदेश में जारी है।

बालासोर में मिसाइल परीक्षण से पहले 32,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बालासोर/भाषा। ओडिशा में बालासोर जिले के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से संभावित मिसाइल परीक्षण से पहले आसपास के इलाकों में रहने वाले करीब 32,000 लोगों को बुधवार को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मिसाइल परीक्षण से पहले आईटीआर के प्रक्षेपण केंद्र-3 के 2.5 किलोमीटर के दायरे में छह बस्तियों में रहने वाले लोगों को बुधवार तड़के पास के तीन आश्रय केंद्रों में पहुंचाया गया।

बालासोर जिला प्रशासन ने परीक्षण समाप्त होने तक इन केंद्रों पर उनके ठहरने के लिए व्यापक व्यवस्था की है।

राजस्व विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा उपाय के तौर पर ये कदम उठाए गए हैं। इस बीच, लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए जाने के बाद आईटीआर प्राधिकरण ने चेतावनी सायरन बजाया।

केवाईसी के नाम पर बैंक खाताधारकों को बार-बार परेशान किया जा रहा है : गोखले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के सांसद साकेत गोखले ने आरोप लगाया कि आजकल सार्वजनिक बैंकों में केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) के नाम पर खाताधारकों को बार-बार परेशान किया जा रहा है और यह नहीं देने पर उनके बैंक खातों को 'फ्रीज' कर दिया जाता है।

तृणमूल कांग्रेस के साकेत गोखले ने बैंककारी विधियां (संशोधन) विधेयक, 2024 पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि सरकार दावा करती है कि जनधन योजना के तहत 54 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए किंतु इनमें से 11 करोड़ से अधिक बैंक खाते निष्क्रिय पड़े हैं। उन्होंने कहा कि इन 11 करोड़ खातों में 14,000 करोड़ रुपए पड़े हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि ये 14 हजार करोड़ रुपए अधिकतर गरीब लोगों के हैं और उनकी पहुंच बैंकों तक नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि 14 हजार करोड़ रुपए की यह राशि उतनी ही है जितनी पश्चिम बंगाल का सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत केंद्र सरकार पर बकाया है।

सपा के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन के घर पर हमला, अखिलेश ने की निंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आगरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के आगरा में दक्षिणपंथी संगठन से जुड़े लोगों ने राणा सांगा के बारे में विवादित बयान देने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन के घर पर बुधवार को हमला किया। यह घटना उस समय हुई जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगरा में मौजूद थे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस घटना की निंदा करते हुए मामले में आदित्यनाथ और उनकी सरकार पर निशाना साधा।

वहीं, करणी सेना के अध्यक्ष सूरज पाल सिंह अमू ने राणा सांगा पर विवादित टिप्पणी करने वाले सपा के राज्यसभा सदस्य और उनकी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से माफी की मांग करते हुए स्वीकार किया कि उनके कार्यकर्ताओं को कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए था। रामजी लाल सुमन के बेटे रणजीत ने आरोप लगाया कि करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने हरिपर्वत चौराहे के पास स्थित उनके घर में घुसकर खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए। उन्होंने कहा कि लाठी-डंडे और तलवार लिए हमलावरों ने परिसर में खड़ी कारों में भी तोड़फोड़ की। इस घटना के एक वीडियो में कुछ पुलिसकर्मी उत्पात मचा रही भीड़ से भिड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। झड़प में एक पुलिसकर्मी घायल भी हुआ है। रणजीत ने कहा, सोशल मीडिया पर कई दिनों से मेरे पिता के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। दो दिन से यह धमकी दी जा रही थी कि आवास का घेराव किया जाएगा। रणजीत ने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन को इसकी जानकारी थी, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की, बल्कि धमकी देने वालों को संरक्षण दिया। घटना पर अभी पुलिस या प्रशासन की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा,

विधायिका और न्यायपालिका एक दूसरे के खिलाफ नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका एक दूसरे के खिलाफ नहीं हैं और उन्हें नियंत्रण और संतुलन के साथ मिलकर काम करना होगा। उन्होंने, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के नई दिल्ली स्थित घर पर नोटों की गड्डियां मिलने पर उठे विवाद की पृष्ठभूमि में न्यायपालिका और विधायिका के अधिकारों पर चर्चा करने के लिए कल मंगलवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की शाम साढ़े चार बजे एक बैठक बुलाई थी।

इस बैठक के बारे में आज उन्होंने सदन को जानकारी देते हुए कहा ''मुझे सदन को यह बताना है कि कल हमने, जनता के मन को झकझोर देने वाले इस मुद्दे पर बहुत ही सार्थक बातचीत की।

कल संपन्न हुई इस बैठक में सदन के नेता और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता मौजूद थे। सभापति ने बैठक का विस्तृत ब्यौरा न देते हुए कहा कि विचार-विमर्श आम सहमति से हुआ, जिससे सहयोग और चिंता का पता चलता है। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा संस्थाओं के बीच का नहीं है। उन्होंने कहा '' ऐसा नहीं है कि कार्यपालिका, विधायिका या न्यायपालिका एक-दूसरे के खिलाफ खड़ी हैं। धनखड़ ने कहा, देश में सभी संस्थाओं को एक साथ मिलकर काम करना होगा... और साथ ही, निगरानी और संतुलन भी होना चाहिए, जिसका उद्देश्य अच्छा है। बैठक में हुए विचार-विमर्श का ब्यौरा दिए बिना, सभापति ने कहा कि सदन के नेता और विपक्ष के नेता दोनों ने कहा कि अपने-अपने दलों के भीतर व्यापक विचार-विमर्श करने के बाद, वे आगे की चर्चा के लिए उनके पास आएंगे। उन्होंने कहा, सदन के नेता और विपक्ष के नेता दोनों ने अन्य लोगों के साथ अपने विचार साझा करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला है।

सुविचार

प्रत्येक बच्चा इस संसार में इस संदेश के साथ आता है कि ईश्वर अभी तक मनुष्यों से हतोत्साहित नहीं है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत कैसे बनेगा विश्वगुरु?

राज्यसभा में उठाया गया यह मुद्दा कि 'भारत की बड़ी आबादी एआई के कार्यबल का हिस्सा है, फिर भी इस क्षेत्र में देश को जितनी प्रगति करनी चाहिए थी, वह नहीं कर पा रहा है', अत्यंत प्रासंगिक है। इसके साथ ही सभापति जगदीप धनखड़ का यह कहना उम्मीद जगाता है कि 'विश्वगुरु तो भारत ही होगा।' अगर हमारा देश एआई में खूब प्रगति करे, ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करे तो सबके लिए आनंद का विषय होगा। सवाल है- यह कैसे होगा? जब तकनीकी क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की बात आती है तो अमेरिका का जिक्र सबसे पहले होता है। इन दिनों 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) के चैटबॉट ग्रोक ने तहलका मचा रखा है। पिछले दिनों चीनी चैटबॉट डीपसीक बहुत चर्चा में रहा था, लेकिन तकनीकी मैदान में अमेरिका बहुत आगे है। लगभग 34 करोड़ की आबादी वाले इस देश ने वैज्ञानिक क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली कि हम सुबह जागने से लेकर रात को सोने तक, ऐसे अनेक उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं, जिनका संबंध कहीं-न-कहीं इससे जरूर है। हम 142 करोड़ से ज्यादा होकर भी तकनीकी क्षेत्र में इतनी उन्नति क्यों नहीं कर पाए? अमेरिका को इतना ताकतवर उसके 'माहौल' ने बनाया है। इसमें उसकी शिक्षा पद्धति ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अमेरिका ने अपनी जमीन पर ऐसा माहौल पैदा कर दिया, जिसमें प्रतिभावान लोगों को आगे बढ़ने में आसानी होती है। यह अमेरिकी माहौल का ही कमाल है कि वहां ऐसे लोग भी कुछ ही वर्षों में कई बिलियन डॉलर की कंपनी खड़ी कर देते हैं, जिनके पास किसी कॉलेज की डिग्री नहीं होती!

क्या अमेरिका के दूर-दराज के सरकारी स्कूल और भारत के ऐसे इलाके में स्थित सरकारी स्कूल की तुलना कर सकते हैं? दोनों जगह शिक्षा का स्तर कैसा है? बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में हमारे सरकारी स्कूलों का कैसा प्रदर्शन रहता है? अगर भारत को विश्वगुरु बनाना है तो इसकी शुरुआत गांवों से करनी होगी। अमेरिका की शिक्षा पद्धति बहुत लचीली है। वहां कई बार ऐसा हुआ कि कोई विद्यार्थी इंजीनियर बनने गया, लेकिन प्रबंधक बनकर लौटा! अमेरिका में सरकारी नौकरियों का इतना ज्यादा महिमा-मंडन नहीं किया जाता, जैसा कि हमारे देश में देखने को मिलता है। वहां करोड़ों लोग सिर्फ सरकारी नौकरी का सपना लेकर अपनी ज़िंदगी के कई साल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में नहीं लगाते। भारत में स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है! जो नौजवान पांच साल या इससे ज्यादा अवधि तक खुद को सबसे अलग रखकर सिर्फ प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबें पढ़ता रहा और उसका कहीं चयन नहीं हुआ, क्या उसमें कोई आविष्कार करने की शक्ति या ऊर्जा बचेगी? अमेरिका में बनीं तकनीकी क्षेत्र की जितनी बड़ी कंपनियां हैं, उन सबमें एक बात जरूर मिलेगी- समस्या तलाशें और उसका समाधान दें। गूगल ने इंटरनेट सर्च को बिल्कुल आसान कर दिया। फेसबुक ने लोगों को जोड़ने का अद्भुत मंच दे दिया। वॉट्सऐप ने संदेश भेजने के तौर-तरीके ही बदल दिए। अब ग्रोक द्वारा दिए जा रहे जवाबों से दुनिया हैरान है। इस दौड़ में हम कहां हैं? क्या हमें इतने से ही संतोष कर लेना चाहिए कि हम एक बड़े एआई उपभोक्ता बनने की ओर अग्रसर हैं? हमारे देश में उस समय बड़ी खुशी की लहर देखने को मिलती है, जब किसी अमेरिकी कंपनी का सीईओ या शीर्ष अधिकारी भारतीय मूल का कोई व्यक्ति बन जाता है। निश्चित रूप से यह उसकी निजी उपलब्धि होती है, जिसके लिए वह तारीफ का हकदार है। उसे बधाई देने के साथ हमें इस सवाल पर विचार करना चाहिए कि यह व्यक्ति भारत में रहकर अपना उद्यम क्यों स्थापित नहीं कर पाया? भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए हमें बहुत लंबा सफर तय करना होगा, सही दिशा में लगातार मेहनत करनी होगी। समाज और सरकार इसके लिए उचित माहौल तो उपलब्ध कराएं।

ट्वीटर टॉक

गौरवशाली इतिहास एवं समृद्ध संस्कृति की पावन भूमि राजस्थान दिवस के विशेष उपलक्ष्य पर राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के अंतर्गत आज बीकानेर में आयोजित किसान सम्मेलन एवं कृषि उत्पादक संगठन कार्यक्रम में सहभागिता कर उपस्थित जनों को संबोधित किया।

-भजनलाल शर्मा

आज नवलगढ़ विधानसभा की कैमरी की ढाणी, खिरोड़ जाते समय श्रीमाधोपुर, खंडेला एवं नवलगढ़ विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ताओं से प्राप्त मान-सम्मान एवं अपनत्व से अभिभूत हूँ। इस अपार स्नेह के लिए आप सभी का सहृदय आभार।

-दीया कुमारी

हमने राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड को एक राष्ट्रीय कोऑपरेटिव संस्था बनाया है। देश के किसानों का उत्पाद विदेशों में निर्यात करने का काम चल रहा है। अब तक 12 लाख टन सामग्री दुनियाभर के बाजारों में बेचकर इसका मुनाफा सीधा किसानों के पास हमने पहुंचाया है।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

जीवन के खजाने

एक बार एक दादी अपनी पोती को सलाह देते हुए बोली, 'बिटिया, अपनी ज़िन्दगी में कभी तीन चीज़ों को छोड़ना मत, सबसे खूबसूरत कपड़े पहनना, सबसे अद्भुत जगहों पर यात्रा करना और सबसे कीमती खजाने रखना।' पोती हैरान होकर बोलीं, 'पर दादी, हम अमीर नहीं हैं। मैं यह कैसे कर सकती हूं?' समझदार दादी मुस्कुराई और बोलीं, 'अगर तुम अपने कपड़े आत्मविश्वास और खुशी के साथ पहनोगी तो साधारण कपड़े भी सबसे सुंदर लगेंगे। अगर तुम अपने आसपास की दुनिया को जिज्ञासा और आश्चर्य के साथ देखोगी, तो हर जगह एक अद्भुत जगह बन जाएगी। इसी प्रकार अगर तुम अपने प्यारे रिश्तों और यादों को संजोने लगोगी, तो तुम सबसे कीमती खजाने की मालिक बन जाओगी।' पोती की आंखों में समझ की चमक आ गई और उसने अपनी दादी को गले लगा लिया।

सामयिक

रंगमंच को संवारने के संकल्प का दिन

प्रमोद दीक्षित मलय
मोबाइल : 9452085234

नाटक दर्शकों को प्रेम, रहस्य, रोमांच, हर्ष, खुशी, आत्मीयता और सौंदर्य की उस ऊंचाई पर ले जाता है जहां वे कल्पना लोक में विचरण कर रहे होते हैं जो खुरदुरे पठारी यथार्थ से परे एक अलग दुनिया होती है। नाटक के मंचन से उद्भूत रस प्रेक्षागृह में उपस्थित दर्शकों को आत्मानंद की प्राप्ति कराने में समर्थ होता है, इसीलिए नाट्य रस को परमानंद सहोदर कहा गया है। नाटक संस्कृत वांग्मय के शीर्ष आर्ष ग्रंथ वेदों की पंक्ति में पंचम वेद की संज्ञा से विभूषित हो लोक में समादृत हुआ है। ब्रह्मा जी ने ऋग्वेद से पाठ्य, सामवेद से गायन कला, यजुर्वेद से अभिनय और अथर्ववेद से रस लेकर नाट्यवेद की रचना की है। संस्कृत साहित्य में नाट्य लेखन एवं मंचन की समृद्ध परम्परा रही है जो इस्लाम के आगमन तक फलती-फूलती रही। पर इस्लामी आक्रमणों एवं राज्याश्रय न मिलने के कारण नाट्य-संस्कृति की यह पुण्यबेल निर्जीव-रसहीन हो मृतप्राय हो गयी। हालांकि 18वीं सदी से ब्रज, अवधी, छत्तीसगढ़ी में हिंदी नाटकों का लेखन मंचन गतिमान हुआ। लेकिन 20वीं शती के उत्तरार्ध काल में संचार और तकनीकी के क्षेत्र में हो रहे नित नवल अनुसंधानों एवं सुविधाओं के कारण जन मनोरंजन के तमाम सुगम संसाधनों की उपलब्धता से रंगमंच पर दुष्प्रभाव पड़ा है।

दर्शकों की अनुपलब्धता से नाट्य मंडलियां काम के अभाव मे बंद हुईं और रंगमंच को समर्पित संस्थान भी आभाहीन हुए। तो 1948 में पेरिस में स्थापित इंटरनेशनल थियेटर इन्स्टीट्यूट ने रंगमंच के प्रति जागरूकता के प्रसार, रंगमंचीय संस्कृति एवं मूल्यों से आमजन को परिचित कराने, नाटकों के आनंद को परस्पर साझा करने और रंगमंच की पुनर्स्थापना की दृष्टि से 1961 में विश्व रंगमंच दिवस मनाने का संकल्प लिया और पहली बार 27 मार्च 1962 को यह दिवस मनाया गया। इसमें वैश्विक शांति के लिए रंगमंच एवं संस्कृति पर आधारित किसी प्रसिद्ध एवं समर्पित रंगमंचीय कला साधक के आमंत्रित संदेश का 50 भाषाओं में अनुवाद प्रकाशित कर सभी देशों में प्रसारित किया जाता है ताकि लोग रंगमंच के महत्व से अवगत हों। पहला रंगमंच

संदेश 1962 में फ्रांसीसी थिएटर कलाकार जॉन काक्ट्यू ने दिया था। भारत के किसी कला साधक को यह सम्मान पहली बार 2002 में गिरीश कर्नाड को मिला। प्रत्येक वर्ष एक थीम का निश्चय कर तदनुरूप आयोजन किये जाते हैं। वर्ष 2025 की थीम है- रंगमंच और शांति की संस्कृति।

भारत में रंगमंच की समृद्ध एवं गौरवशाली परम्परा अति प्राचीन काल से ही रही है। सर्वप्रथम ऋग्वेद में यम और यमी तथा पुरुरवा एवं उर्वशी के बीच हुए संवाद के दृश्य दिखायी देते हैं। भरत मुनि का नाट्यशास्त्र रंगकर्म का सर्वोत्कृष्ट ग्रंथ है जिसमें नाट्य लेखन, पात्र चयन, अभिनय, मंचन, प्रेक्षागृह, रंगमंडप, नेपथ्य और रंगपीठ पर विशद विश्लेषण परक सामग्री है। साथ ही कथानक, संवाद कथन, ध्वनि एवं प्रकाश, साज-सज्जा, पात्र, रंग शिल्प, रस एवं दर्शक आदि पर भी विस्तार से विचार किया है। भारत के प्राचीन नाट्य मंचन स्थानों में रामगढ़ (छत्तीसगढ़), सीता गुफा, फुलमुई गुफा (नासिक, महाराष्ट्र) उल्लेखनीय है। ये सभी नाटक मंचन के स्थान अंशत: प्राकृतिक हैं पर पहाड़ काट कर मंचीय बनाये गये हैं। भारत के नाट्य मंचन स्थान गुफा जैसी बंद जगहों पर निर्मित किये गये जबकि पाश्चात्य देशों में नाटक खेलने हेतु खुले स्थानों को वरीयता दी गयी जहां दर्शकों के बैठने हेतु सीढ़ीदार गोल चबूतरे बनाये जाते रहे हैं। उसी आधार पर अब भारत में भी मुक्ताकाशी मंच बनाये जाने लगे हैं। इन पंक्तियों के लेखक को 2018 में भारत के प्राचीन नाट्य स्थल रामगढ़ को देखने का अवसर मिला था। अंबिकापुर जिले में स्थित यह स्थान रामगढ़ नामक पहाड़ी पर कालिदास द्वारा निर्मित किया गया है। पास ही विशाल हाथी गुफा भी है। रामगढ़ नाट्य मंच में सामने दर्शकों के बैठने हेतु विस्तृत शिला हैं। मंचन हेतु पहाड़ को काटकर एक मंच तैयार किया गया है जो लगभग 6 फीट ऊंचा है। मंच के बाईं और पात्रों की साज-सज्जा और पर्दा खींचने वाले के लिए जगह बनी है तो दायीं ओर नाटक के निर्देशक और नाटक से सम्बंधित कुछ अन्य व्यक्तियों तथा लेखक आदि के बैठने के लिए स्थान नियत है। यह गुफा प्राकृतिक नहीं मानव निर्मित है, ऐसा वहां देखने पर समझ में आता है। अब प्रत्येक वर्ष वहां कालिदास समारोह में तमाम नाट्य प्रस्तुतियों की पुष्पांजलि देकर महान नाटककार कालिदास के योगदान के प्रति श्रद्धा प्रकट की जाती है।

संस्कृत में बहुत सारे नाटक केवल मंचन की दृष्टि से ही लिखे गये। अभिज्ञान शाकुन्तलम, वेणी संहार, मृच्छकटिकम, स्वप्नवासवदत्तम, उत्तररामचरितम, मालविकाग्निमित्रम, विक्रमोर्वशीयम, प्रतिमानाटकम और उरुभंग श्रेष्ठ नाटकों में गण्य हैं। दशरूपक और साहित्य दर्पण ग्रंथों में भी नाट्य विधा का सम्यक विवेचन दृष्टव्य है। हिंदी में नाटक भले ही गद्य की श्रेणी में शामिल है पर संस्कृत भाषा में नाटक को दृश्य काव्य के अंतर्गत रखा गया है। नाटक रस प्रधान होता है। काव्यात्मक सौंदर्य की विलक्षण रसपूर्ण सृष्टि की रचना ही नाटक का ध्येय है। काव्येषु नाटकम रम्यम कह कर नाटक के सौंदर्य का रेखांकन किया गया है। बौद्ध ग्रंथों में भी नाट्य परंपरा का उल्लेख मिलता है। भारत में मुस्लिम आक्रांताओं के कारण नाटक मंचन एवं लेखन को विराम लग गया। पर कालांतर में 18वीं शताब्दी में नाटक खेलने के उदाहरण मिलते हैं। संस्कृत की नाट्य धारा से प्रेरित होकर हिंदी में भी सुंदर मनोहरी आनंद प्रधान नाटकों की रचना हुई है जिसका श्रेय भारतेंदु हरिश्चंद्र को दिया जाता है। नाटक लेखन एवं मंचन को बढ़ावा देने में पारसी थियेटर की भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती है। वर्ष 1871 में स्थापित अल्फ्रेड नाटक मंडली को सही मायने में नाटकों के मंचन और जनसामान्य तक उसकी पहुंच एवं प्रसिद्धि दिलाने का श्रेय जाता है। इस मंडली द्वारा भारतेंदु हरिश्चंद्र और राधा कृष्ण दास के कई नाटकों का मंचन किया गया जिन्हें पर्याप्त सराहना मिली। अन्य नाटक मंडली और थिएटर की बात करूं तो मॉडर्न थिएटर कोलकाता, बलिया नाट्य समाज, बनारस थियेटर, आर्य नाट्य सभा प्रयाग और भारतीय कला मंदिर कानपुर का उल्लेख करना आवश्यक हो जाता है। वर्ष 1884 में नेशनल थियेटर कंपनी ने भारतेंदु के नाटक अंधेर नगरी का सर्वप्रथम मंचन किया था। अन्य नाटकों में सत्य हरिश्चंद्र चंद्रगुप्त, नीलदेव, स्कंद गुप्त, सुभद्रा हरण एवं ध्रुवस्वामिनी आदि का अंकन उचित होगा। ध्यातव्य है कि तत्कालीन नाटकों में स्त्री पात्रों का अभिनय भी पुरुष पात्रों द्वारा ही किया जाता था जिसे विराम दिया 1939 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में स्थापित विक्रम परिषद ने। पहली बार उसके द्वारा स्त्री पात्रों का अभिनय स्त्रियों के द्वारा ही कराने की पहल की गई जिसे अन्य मंडलियों ने भी स्वीकार कर आगे बढ़ाया। इस प्रवाह में लोकभाषा बोली में भी नाटकों की एक वेगवती धारा शामिल थी। नौटंकी, जात्रा, तमाशा, ख्याल, नाच, बिदेसिया, यक्षगान, स्वांग, रासलीला और रामलीला आदि से लोकजीवन आनंदित हैं।

वास्तव में नाट्य मंचन में संवाद संप्रेषण, भावाभिव्यंजना और रसास्वादन साथ-साथ चलते हैं। यहां सिनेमा की भांति रिटेक के लिए कोई जगह और अवसर नहीं होता। पात्र का सीधा संबंध दर्शकों से होता है। आज एक कला प्रेमी नागरिक के रूप में हमें यह संकल्प लेना आवश्यक है कि हम रंगमंच के महत्व को समझ उसकी वापसी हेतु संकल्पबद्ध हों। स्कूली स्तर पर भी रंगमंच को पाठ्यक्रम में शामिल कर सार्थक पहल सम्भव है।

नजरिया

स्वदेशी ज्ञान : रोजगार का आधार और आर्थिक विकास का मूलमंत्र

प्रो. महेश चंद गुप्ता

हमारे देश में हजारों सालों से परंपरागत स्वदेशी ज्ञान की अविरल धारा बहती आ रही है। हमारे पुरखों ने कृषि, औषधि, वास्तु, हस्तशिल्प, योग और पर्यावरण संतुलन जैसे विविध क्षेत्रों में अद्वितीय ज्ञान विकसित किया था, वह ज्ञान आज भी प्रासंगिक है। यदि मौजूदा संदर्भ में इन परंपराओं को पुनर्जीवित किया जाए तो इससे बेरोजगारी और आर्थिक संकट जैसी गंभीर समस्याओं का समाधान खोजा जा सकता है। स्वदेशी ज्ञान के जरिए हम आत्म निर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकते हैं। भारत की परंपरागत तकनीकों में प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम और संतुलित उपयोग करने की गहरी समझ है। अतीत में यह ज्ञान न केवल हर व्यक्ति के लिए रोजगार के अवसर पैदा करता रहा है, बल्कि सतत विकास को भी सुनिश्चित करता आया है। इस ज्ञान को हासिल करने के लिए किसी स्कूल, कॉलेज या प्रशिक्षण संस्थान में नहीं जाना पड़ता। यह ज्ञान अपने गांव में या गांव के आसपास ही सहज रूप से मिल जाता है। स्वदेशी ज्ञान का अर्थ सीमित नहीं है बल्कि यह व्यापक रूप लिए हुए है। इसमें पारंपरिक कौशल के साथ-साथ पुरखों के अनुभवों का निचोड़ शामिल है जो लोगों को छोटी उम्र से ही विभिन्न काम-धंधों में हुनरमंद बना देता है। हमारे समाज में बर्तन निर्माण, खेती, भवन निर्माण, सिलाई, बुनाई, कढ़ाई, चित्रकारी, मूर्ति निर्माण, आभूषण निर्माण, खाना बनाना, खिलौने बनाना, अचार-मुरब्बे बनाना, पारंपरिक औषधियों का निर्माण, वास्तु कला, और हस्तशिल्प जैसे उद्योग-धंधे परंपरागत ज्ञान से ही विकसित हुए हैं। हम सदियों से इस ज्ञान के माध्यम से जल से ऊर्जा उत्पादन कर आ रहे हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन भी इसी ज्ञान पर आधारित रहा है।

प्राचीन समय में इसी ज्ञान पर आधारित काम-धंधों के बूते पर हमारे देश की आर्थिक व्यवस्था अत्यंत सुदृढ़ थी। हमारा देश 'सोने की चिड़िया' कहलाता था। औपनिवेशिक शासकों और विदेशी आक्रांताओं ने न केवल हमारी धन सम्पदा को लूटा बल्कि हमारे कुटीर उद्योग भी खत्म कर दिए। आजादी के बाद स्वदेशी ज्ञान आधारित काम धंधों को पनपाने के लिए अपेक्षित काम नहीं किया गया, जिससे पारंपरिक काम धंधे खत्म हो रहे हैं। इसका परिणाम बढ़ती बेरोजगारी और लोगों की घटती आमदनी के रूप में सामने आ रहा है।

एक ओर जहां आजादी के बाद हमने अपनी ज्ञान परंपराओं को बिसरा दिया, वहीं चीन ने अपने यहां की ऐसी ही परंपराओं के बल पर पांव पसारे और दुनिया की दूसरी बड़ी आर्थिक ताकत बन गया है। चीन ने जहां बढ़ती आबादी पर रोक लगाई वहीं अपने लोगों को पारंपरिक ज्ञान के आधार पर काम

हमारा यह ज्ञान अपने में विपुल संभावनाएं समेटे हुए है। इससे जैविक खेती, पारंपरिक बीजों का उपयोग, और पंचगव्य जैसे स्वदेशी कृषि उत्पादों को बढ़ावा देकर लाखों लोगों को रोजगार दिया जा सकता है। खादी, मिट्टी के बर्तन, पारंपरिक कपड़े और हथकरघा एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना संभव है। हमारी स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों से जहां स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान संभव है, वहीं इससे चिकित्सकों और औषधि निर्माताओं के जरिए भी लोगों को रोजगार मिल सकता है।

धंधों में जुटने के लिए प्रेरित किया। 1980 में चीन ने अपने बाजार दुनिया के लिए खोल कर आर्थिक सुधारों को तेजी से आगे बढ़ाना शुरू कर दिया। उस समय चीन की प्रति व्यक्ति आय 30% डॉलर और भारत की प्रति व्यक्ति 580 डॉलर थी। इसके विपरीत, भारत में अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि हुई और स्वदेशी ज्ञान की उपेक्षा की गई। इसका परिणाम यह हुआ कि बेरोजगारी बढ़ी, संसाधन कम पड़ गए और प्रति व्यक्ति आय में गिरावट आई। 2024 के आंकड़ों के अनुसार चीन की प्रति व्यक्ति आय लगभग 12,500 अमेरिकी डॉलर है जबकि भारत की प्रति व्यक्ति आय करीब 2500 अमेरिकी डॉलर ही है। यह अंतर दर्शाता है कि भारत को परंपरागत ज्ञान को पुनजीवत करने की कितनी आवश्यकता है।

अगर हम इन परंपराओं को अपनाए रखते तो उनमें छिपा अनुभवों का खजाना हमारी नई पीढ़ियों तक पहुंचता रहता लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो पाया। इन परंपराओं को अपना कर जहां हम समाज में स्थिरता बनाए रख सकते हैं वहीं इसकी बदौलत आर्थिक विकास को भी पंख लग सकते हैं। समय की मांग है कि हम अपने स्वदेशी ज्ञान और आर्थिक विकास के अन्तर्सम्बंधों पर दृष्टिपात करें। हमारा ये ज्ञान सदियों से आजमाया हुआ समाज की सामूहिक सहभागिता पर आधारित ऐसा सिस्टम है, जो आज भी स्थानीय जरूरतों पर खरा है। यह सिस्टम न केवल संबंधित भौगोलिक क्षेत्र और समुदाय की जरूरतों के अनुकूल होता है बल्कि इसका स्वरूप स्थानीय पर्यावरण एवं उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप भी तय होता है। सतत विकास के लिए बनाए इस सिस्टम में हमेशा से प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग को प्राथमिकता दी जाती रही है।

हमने अपने को आधुनिक बनाने की होड़ में अपनी हर चीज को रूढ़िवादी बताकर तज दिया है, इसमें हमारा ये ज्ञान भी है। अब वक्त है हमें अपनी गलती सुधार लेनी चाहिए। यह ज्ञान पुराना हो सकता है मगर अनुपयोगी नहीं। अगर उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार के लिए कहीं जरूरत लगती है तो हमें पारंपरिक ज्ञान में नूतन तकनीकी ज्ञान को मिला लेना चाहिए। इससे हमारी आय और उत्पादन वृद्धि होगी। सकल घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के मार्ग खुल जाएंगे। हमारा जीवन स्तर ऊंचा उठेगा। पर्यावरण पर से दबाव घटेगा। अगर हम पहले की तरह पारंपरिक बीजों, गोबर खाद और प्राकृतिक कीटनाशकों का इस्तेमाल करेंगे तो हमारी खेती फिर से लाभकारी हो जाएगी क्योंकि खेती पर लागत घटेगी और किसानों के लाभ में बढ़ोतरी होगी। इसके साथ-साथ ऐसे प्रयास करने होंगे जिससे हमारी युवा पीढ़ी इस ज्ञान को अंगीकार करे। इसके लिए स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में इस विषय को पढ़ाया जा सकता है। हस्तशिल्प और कृषि आधारित स्टार्टअप्स को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की जानी चाहिए।

औद्योगिकीकरण के चलते गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ने से समस्याएं बढ़ रही हैं। ऐसे में जरूरत लोगों को उनके गांव में ही काम देने की है। उदाहरण के रूप में साइकिल के कारखाने लुधियाना में हैं तो वे लुधियाना में ही सबको काम दे रहे हैं। अगर ऐसे सभी उद्योग अपनी जरूरत के पाट्र्स बनाने के लिए गांवों में छोटी-छोटी इकाइयां स्थापित कर दें तो लोगों को गांवों में ही काम मिलेगा, वे खुशहाल होंगे। यदि ग्रामीण क्षेत्रों में ही पारंपरिक ज्ञान और तकनीकी विकास के आधार पर लघु एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाए तो ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को सशक्त किया जा सकता है। इससे पलायन रुकेगा और शहरों पर दबाव कम होगा।

यह ज्ञान जहां लोगों को व्यक्तिगत रूप से लाभान्वित करेगा, वहीं पीएम नरेंद्र मोदी का 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना साकार करने में मदद मिलेगी। यह सराहनीय है कि मोदी के नेतृत्व में सरकार ने भारतीय ज्ञान परंपराओं को पुनर्जीवित करने के लिए कई पहलें की हैं। इनमें आयुर्वेद, योग, और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देना शामिल है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में पारंपरिक ज्ञान को शिक्षा प्रणाली में शामिल करने की योजना बनाई गई है। हाल ही में ज्ञान भारतम मिशन' की शुरुआत की गई है, जिसके अंतर्गत एक करोड़ प्राचीन पांडुलिपियों का संरक्षण किया जाएगा। कभी हमारा देश हथियारों के आयात पर निर्भर था, पर अब हमने अपने ज्ञान का इस्तेमाल कर भारत ने अनेक स्वदेशी मिसाइलें और अन्य स्वदेशी हथियार बनाए हैं। भारत ने चन्द्रयान और मंगल यान मिशन के जरिए अंतरिक्ष अन्वेषण में अपनी क्षमता सिद्ध की है।

हमारा यह ज्ञान अपने में विपुल संभावनाएं समेटे हुए है। इससे जैविक खेती, पारंपरिक बीजों का उपयोग, और पंचगव्य जैसे स्वदेशी कृषि उत्पादों को बढ़ावा देकर लाखों लोगों को रोजगार दिया जा सकता है। खादी, मिट्टी के बर्तन, पारंपरिक कपड़े और हथकरघा एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना संभव है। हमारी स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों से जहां स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान संभव है, वहीं इससे चिकित्सकों और औषधि निर्माताओं के जरिए भी लोगों को रोजगार मिल सकता है। स्वदेशी कला, संगीत, नृत्य और परंपरागत आयोजनों को बढ़ावा देकर पर्यटन क्षेत्र में रोजगार बढ़ाया जा सकता है। अगर हम आयातित वस्तुओं पर निर्भरता कम कर स्थानीय रूप से उत्पादन बढ़ाते हैं तो इससे स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। हस्तशिल्प और कृषि आधारित स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने से न केवल स्थानीय कारीगरों को आर्थिक सहायता मिलेगी, बल्कि आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी मजबूती मिलेगी। ऐसे स्टार्टअप्स को प्राथमिकता के आधार पर वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की जानी चाहिए।

विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम किए बिना हमारी अर्थव्यवस्था तेज गति नहीं पकड़ सकती। स्वदेशी ब्रांडों को बढ़ावा देकर ही इसे बदला जा सकता है। पतंजलि इसका सशक्त उदाहरण है। इस कंपनी ने पारंपरिक आयुर्वेदिक ज्ञान को आधुनिक उत्पादन और मार्केटिंग रणनीतियों से जोड़ा, जिससे यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती से स्थापित हुई। पतंजलि ने दिखाया कि भारतीय उद्यमी यदि अपनी जड़ों से जुड़कर नवाचार करें तो वे वैश्विक स्तर पर भी प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। यदि हम पारंपरिक ज्ञान को परिष्कृत कर सही रूप में अपनाएं तो इससे आय और उत्पादन में वृद्धि होगी। साथ ही, सकल घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय में सुधार होगा। कृषि, औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में व्यापक बदलाव आएंगे, पर्यावरणीय संतुलन बना रहेगा और भविष्य की पीढ़ियों को एक समृद्ध भारत मिलेगा। अब समय आ गया है कि हम अपने समृद्ध स्वदेशी ज्ञान और आर्थिक विकास के बीच संबंध को पहचानें और इसे पुनर्जीवित करने के लिए ठोस कदम उठाएं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गर्मी

नागपुर में भीषण गर्मी के दिन महिलाएं अपने चेहरे को दुपट्टे से ढकती हुई।

26 को रिलीज होगी नानी की फिल्म द पैराडाइज

मुंबई/एजेन्सी

नेचुरल स्टार नानी की फिल्म द पैराडाइज 26 मार्च 2026 को रिलीज होगी। फिल्म द पैराडाइज के निर्माताओं ने फिल्म की बढ़ती एक्साइटमेंट के बीच फिल्म की रिलीज़ के लिए काउंटडाउन शुरू कर दिया है। फिल्म की रिलीज़ में सिर्फ एक साल बाकी है और फिल्म द पैराडाइज 26 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर फिल्म द पैराडाइज के काउंटडाउन की शुरुआत के साथ ही एक नया पोस्टर रिलीज़ किया है।अभिनेता नानी ने द पैराडाइज की झलक में अपनी जबरदस्त परफॉर्मेंस से सभी को इंप्रेस कर दिया है। उनकी ऑन-स्क्रीन प्रेजेंस और चार्म एक बार फिर देखने लायक है।

प्रदर्शन

बिहार पुलिस में लड़कियों के लिए ऊंचाई और आयु मानदंड में छूट की मांग को लेकर उम्मीदवारों ने प्रदर्शन किया।

फिलस्तीनियों का हमास के खिलाफ दुर्लभ प्रदर्शन

काहिरा/एपी। एक दुर्लभ घटना के तहत गाजा पट्टी में युद्ध-विरोधी प्रदर्शन के दौरान फलस्तीनियों ने हमास के खिलाफ नारेबाजी की, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसे चरमपंथी समूह के खिलाफ जनता में बढ़ते असंतोष का संकेत माना जा रहा है। माना जाता है कि इस समूह ने लंबे समय से असहमति को दबाया है और इजराइल के साथ युद्ध के 17 महीने बाद भी इस क्षेत्र पर शासन कर रहा है।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो प्रामाणिक और मंगलवार के प्रतीत हो रहे हैं, जिसमें दिखाई दे रहा है कि भारी क्षति वाले उत्तरी शहर बेत लाहिया में सैकड़ों लोग युद्ध-विरोधी प्रदर्शन कर रहे हैं। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि लोगों ने तख्तियां ले रखी हैं जिनपर लिखा था, युद्ध बंद करो, हम मरना नहीं चाहते'' और ''हमारे बच्चों का खून सस्ता नहीं है''। कुछ लोगों को यह नारा लगाते हुए सुना जा सकता था, हमास बाहर निकलो!'' अन्य वीडियो में हमास समर्थक भीड़ को तितर-बितर करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दूसरे देशों में बसना चाहते हैं भारत के 22 प्रतिशत 'अमीर' : सर्वेक्षण

भारत में रहने वाला एक भारतीय नागरिक प्रति वर्ष केवल 2,50,000 अमेरिकी डॉलर ही निकाल सकता है, जबकि एक प्रवासी को 10 लाख अमेरिकी डॉलर की अनुमति है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पूंजी देश से बाहर नहीं जाएगी।

मुंबई/भाषा। देश में कम से कम 22 प्रतिशत अति धनाढ्य लोग यहां रहने की स्थिति, विदेशों में बेहतर जीवन स्तर और अन्य देशों में कारोबार सुगमता जैसे कारणों से भारत के बारह बसना चाहते हैं।

अति धनाढ्य 150 व्यक्तियों के बीच किए गए सर्वेक्षण में पाया गया कि अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और यहां तक कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) अपनी 'गोल्डन वीजा' योजना के कारण उनके पसंदीदा गंतव्य हैं, जहां अमीर लोग बसना पसंद करते हैं।

देश की अग्रणी संपत्ति प्रबंधक कंपनी कोटक प्राइवेट ने परामर्श कंपनी ईवाई के साथ मिलकर यह सर्वेक्षण किया है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, हर साल 25 लाख भारतीय दूसरे देशों में बसने चले जाते हैं।

इसके निष्कर्षों में कहा गया, सर्वेक्षण में शामिल पांच में से एक अति धनाढ्य व्यक्ति वर्तमान में प्रवास की प्रक्रिया में है या प्रवास की योजना बना रहा है। उनमें से अधिकतर अपनी भारतीय नागरिकता बरकरार रखते हुए अपनी पसंद के देश में स्थायी रूप से निवास करना चाहते हैं।

इसमें कहा गया, वे जीवन स्तर, स्वास्थ्य देखभाल समाधान, शिक्षा या जीवनशैली में सुधार चाहते हैं। दो-तिहाई से अधिक लोगों ने कारोबार सुगमता को भी इसकी मुख्य वजह बताया।

सर्वेक्षण में शामिल लोगों ने प्रवास के निर्णय को ''भविष्य में निवेश'' बताते कहा कि अपने बच्चों के लिए उत्कृष्ट उच्च शिक्षा की चाहत उन्हें यह विकल्प चुनने के लिए प्रेरित करती है।

हालांकि, कोटक महिंद्रा बैंक की अध्यक्ष गौतमी गावनकर ने कहा कि स्थानांतरण के निर्णय को देश से पूंजी के बाहर जाने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूंजी के बाहर जाने की सीमा तय करने से यह सुनिश्चित होता है कि यदि कोई व्यक्ति अपना निवास स्थान बदलता है तो भी धन बाहर नहीं जाएगा।

गावनकर ने कहा कि भारत में रहने वाला एक भारतीय नागरिक प्रति वर्ष केवल 2,50,000 अमेरिकी डॉलर ही निकाल सकता है, जबकि एक प्रवासी को 10 लाख अमेरिकी डॉलर की अनुमति है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पूंजी देश से बाहर नहीं जाएगी।

जीई एयरोस्पेस ने तेजस एमके-1ए जेट के लिए एफ-404 इंजन की आपूर्ति शुरू की

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका की दिग्गज रक्षा कंपनी जीई एयरोस्पेस ने बुधवार को कहा कि उसने तेजस लाइट कॉम्बैट जेट कार्यक्रम के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को 99 एफ-404 विमान इंजनों में से पहला इंजन दे दिया है।

सरकारी कंपनी एचएएल तेजस लड़ाकू विमान के एमके-1ए संस्करण को ताकत प्रदान करने के लिए इंजन खरीद रही है।

वर्ष 2021 के फरवरी में रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए जेट की खरीद के लिए एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपए का सौदा किया था।

इन विमानों की आपूर्ति पिछले साल मार्च में शुरू होनी थी, लेकिन अभी तक एक भी विमान की आपूर्ति नहीं हुई है। अमेरिकी कंपनी की ओर से एफ404-आईएन20 इंजन की आपूर्ति शुरू होने से एचएएल को भारतीय वायुसेना को विमानों की अपूर्ति शुरू करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

यूक्रेन ऊर्जा अवसंरचना को युद्ध से परे रखने से जुड़े समझौते के लिए सहमत : जेलेंस्की

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि उनका देश ऊर्जा अवसंरचना को हमलों से परे रखने से जुड़े समझौते पर आगे बढ़ने को तैयार है।

जेलेंस्की का यह रुख सऊदी अरब की राजधानी में यूक्रेनी और रूसी अधिकारियों के साथ तीन दिनों तक चली वार्ता और अमेरिका की मध्यस्थता में हुए समझौते के अनुरूप है।

जेलेंस्की ने मंगलवार देर रात एक वीडियो संबोधन में कहा कि यूक्रेन ने अमेरिकी वार्ताकारों के साथ सहमति व्यक्त की है कि ''ऊर्जा अवसंरचना के लिए संघर्ष विराम आज से ही शुरू हो सकता है। लेकिन उन्होंने चेताया कि रूस द्वारा यूक्रेन की ऊर्जा सुविधाओं पर किसी भी हमले का कड़ा जवाब दिया जाएगा।

उनकी टिप्पणियों में रियाद में तीन दिनों तक यूक्रेन और रूस से अलग-अलग अमेरिकी वार्ता के बाद सामने आए कमजोर समझौते को रेखांकित किया गया।

अमेरिका ने कहा कि युद्धरत पक्षों के साथ ऊर्जा अवसंरचना पर हमलों पर रोक लगाने के साथ-साथ काला सागर में जहाजों के लिए सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने पर सहमति बनी है।

ये वार्ताएं एक सीमित (30-दिवसीय) युद्धविराम की दिशा में एक व्यापक प्रयास का हिस्सा थीं, जिस पर मॉस्को और कीव ने पिछले सप्ताह सैद्धांतिक रूप से सहमति व्यक्त की थी।

लेकिन यह समझौता अब तक अमल में नहीं आ सका है क्योंकि दोनों पक्ष एक-दूसरे के खिलाफ ड्रोन और रॉकेट हमले जारी रखे हुए हैं।

जेलेंस्की ने मंगलवार को एक समझौते पर पहुंचने से जुड़े प्रयासों के लिए अमेरिका को धन्यवाद दिया, लेकिन कुछ प्रमुख ब्योरे को लेकर उनके सवाल बरकरार हैं। इसके अलावा तीन साल के युद्ध को समाप्त करने के लिए एक व्यापक शांति समझौता अब भी दूर की कौड़ी लग रही है।

रूस ने काला सागर समझौते को प्रतिबंधों में राहत से जोड़ा है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को अलग-अलग बयानों में कहा कि दोनों पक्षों ने ''सुरक्षित नौवहन सुनिश्चित करने, बल के उपयोग को समाप्त करने और काला सागर में सैन्य उद्देश्यों के लिए वाणिज्यिक जहाजों के उपयोग को रोकने पर सहमति व्यक्त की है।

संभावित सौदे का विवरण जारी नहीं किया गया, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि यह 2022 के समझौते के बाद काला सागर में जहाजों की आवाजाही को सुरक्षित बनाने के लिए एक और प्रयास है। वर्ष 2022 का समझौता संयुक्त राष्ट्र और तुर्किये की मध्यस्थता में किया गया था, लेकिन अगले साल ही रूस ने इसे रोक दिया। 'व्हाइट हाउस' द्वारा मंगलवार को अपना बयान जारी करने के बाद क्रेमलिन ने चेतावनी दी कि संभावित काला सागर समझौते को केवल तभी लागू किया जा सकता है जब खाद्य और उर्वरक व्यापार में शामिल रूसी कृषि बैंक और अन्य वित्तीय संगठनों के खिलाफ प्रतिबंध हटा दिए जाएं और अंतरराष्ट्रीय भुगतान की 'स्विफ्ट' प्रणाली तक उनकी पहुंच सुनिश्चित की जाए।

जेलेंस्की ने मंगलवार शाम को इन मांगों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मॉस्को समझौते की शर्तों के बारे में 'छेड़छाड़ और तोड़-मरोड़ कर रहा है और झूठ बोल रहा है।

फैशन शो

नई दिल्ली के ली मेरिडियन में एचआरएआई (फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया) सस्टेनेबिलिटी फैशन शो में एक मॉडल डिजाइन पेश करती हुई।

'अजेय : द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' का टीजर आउट

मुंबई/एजेन्सी

'मैं योगी हूं और योगी ही रहूंगा...' ये लाइन है उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बन रही बायोपिक की। अपकमिंग फिल्म का टाइटल 'अजेय : द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' है। निर्माताओं ने बुधवार को टीजर जारी कर फिल्म के बारे में जानकारी दी। फिल्म प्रोडक्शन हाउस सम्राट सिनेमैटिक्स ने टीजर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, उसने सब त्याग दिया, लेकिन जनता ने उसे अपना बना लिया। शेयर किए गए वीडियो में योगी आदित्यनाथ के जीवन और बदलाव की झलक को दिखाया गया है, जिसमें उनके आध्यात्मिक और राजनीतिक मार्ग को आकार देने वाले निर्णायक क्षणों को भी बारीकी के साथ दिखाया गया है। इसमें उनके शुरुआती वर्षों, नाथपंथी योगी के रूप में संन्यास लेने के उनके फैसले और एक राजनेता के रूप में उनके विकास को भी टीजर में उतारा गया है। 'अजेय' लेखक शांतनु गुप्ता की किताब 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर : द डेफिनिटिव बायोग्राफी ऑफ योगी आदित्यनाथ' पर बनी है।

फिल्म की पहली झलक में ड्रामा, इमोशंस, एक्शन और त्याग का मिश्रण देखने को मिला। फिल्म में अभिनेता अनंत जोशी, योगी आदित्यनाथ की भूमिका निभाते नजर आएंगे। अनंत के साथ फिल्म में परेश रावल, दिनेश लाल यादव 'निरहुआ', अजय मेंगी, पवन मल्होत्रा, गरिमा सिंह, राजेश खट्टर

भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म के बारे में निर्माता रितु मेंगी ने कहा, योगी आदित्यनाथ का जीवन चुनौतियों, विषम परिस्थितियों और कई परिवर्तनों से भरा रहा। हमारी फिल्म उनके सफर को सिनेमा के रूप में आकर्षक तरीके से पेश करने के लिए तैयार है, जिसमें उन मुख्य घटनाओं को सामने लाया गया है, जिन घटनाओं ने उनकी जिंदगी में अहम भूमिका निभाई। 'अजेय' में बेहतरीन कलाकार हैं, जो मनोरंजक अंदाज में कहानी को पेश करते हैं। फिल्म की रिलीज को लेकर हम उत्साहित हैं। फिल्म का संगीत मीत ब्रदर्स ने तैयार किया है और इसकी कहानी दिलीप बच्चन झा और प्रियांक दुबे ने लिखी है।

'अजेय' के निर्देशक रवींद्र गौतम ने कहा, हमारी फिल्म देश के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है, जिसमें उत्तराखंड के एक गांव के साधारण मध्यम वर्ग से आए लड़के को दिखाया गया है, जो भारत के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य (उत्तर प्रदेश) का मुख्यमंत्री बन जाता है। उनकी यात्रा दृढ़ संकल्प, विश्वास और नेतृत्व की है और हमने एक ऐसा अनुभव बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है, जो उनके शानदार जीवन के साथ न्याय कर सके। सम्राट सिनेमैटिक्स के बैनर तले रितु मेंगी ने फिल्म का निर्माण किया है।

फिल्म 'भूल चूक माफ़' नौ मई को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

राजकुमार राव और वामिका गब्बी अभिनीत आगामी रोमांटिक कॉमेडी भूल चुक माफ़ नौ मई को रिलीज होगी। फिल्म भूल चूक माफ के निर्माताओं ने फिल्म की नयी रिलीज़ तिथि की आधिकारिक घोषणा कर दी है। पहले यह फिल्म अप्रैल में रिलीज़ होने वाली थी। यह यह फ़िल्म नौ मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। करण शर्मा निर्देशित और लिखित फिल्म भूल चूक माफ़ एक दिलचस्प टाइम-लूप रोमांस की कहानी पर आधारित फिल्म है। फिल्म भूल चूक माफ का निर्माण अमेज़ॅन एमजीएम स्टूडियो के सहयोग से मैडॉक फिल्म्स के तहत दिनेश विजान कर रहे हैं। इस फिल्म से राजकुमार राव और वामीका गब्बी के बीच पहली बार ऑन-स्क्रीन केमेस्ट्री देखी जायेगी।

करण शर्मा द्वारा निर्देशित और लिखित यह दिल को छू लेने वाली रोमांटिक कॉमेडी पहली बार राजकुमार राव और वामिका गब्बी की जोड़ी के साथ आई है, जो आकर्षण, अराजकता और छोटे शहर के रोमांस की एक नई खुराक का वादा करती है। वाराणसी की जीवंत गलियों में सेट की गई यह फिल्म रंजन नामक एक निराश रोमांटिक व्यक्ति की कहानी है, जो अपने प्यार तितली को पाने के लिए सरकारी नौकरी करता है। लेकिन शादी से ठीक पहले, किस्मत एक ऐसा मोड़ लेती है, जो उसकी दुनिया को सबसे अप्रत्याशित तरीकों से उलट देता है। इसके बाद प्यार, नियति और दूसरे मौकों की एक मजेदार लेकिन दिल को छू लेने वाली यात्रा शुरू होती है।

लुका छुपी और जरा हटके जरा बचके के निर्माता दिनेश विजान अमेज़न एमजीएम स्टूडियो के साथ मिलकर भूल चुक माफ प्रस्तुत कर रहे हैं। करण शर्मा द्वारा निर्देशित और लिखित इस फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी की जोड़ी दर्शकों को आकर्षित करने का वादा करती है। भूल चुक माफ मैडॉक फिल्म्स की इस साल की तीसरी बड़ी रिलीज़ है इससे पहले स्काई फ़ोर्स और हाल ही में हिट हुई छावा, जिसमें विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना ने अभिनय किया है। राजकुमार राव की 2025 की स्लेट मालिक और नेटफ्लिक्स की टोस्टर के साथ मज़बूत दिख रही है।

सनी देओल की फिल्म 'जाट' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो सनी देओल की आने वाली फिल्म जाट का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। सनी देओल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म जाट को लेकर चर्चा में हैं। सनी देओल के फैंस को फिल्म जाट के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार था जो अब खत्म हो चुका है। फिल्म जाट का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।इस फिल्म के ट्रेलर में सनी देओल का अंदाज काफी जबरदस्त लग रहा है। सनी देओल एक्शन करते दिख रहे हैं और दुश्मनों पर भारी पड़ते नजर आ रहे हैं।सनी देओल को फुल ऑफ एक्शन स्टाइल में देखा जा रहा है। जाट के ट्रेलर की शुरुआत में सबसे पहले सैयामी खरे की एंट्री होती है, जो पुलिस ऑफिसर के रोल में दिख रही हैं। वह पूछती हैं कि इस गांव में क्या हुआ है। सारे गांव वाले डरे-सहमे नजर आ रह हैं. तभी एक बच्चा राणातुंगा का नाम लेता है। इस फिल्म में राणातुंगा का किरदार रणदीप हुड्डा ने निभाया है। इसके बाद सनी देओल की एंट्री दिखाई जाती है। वह आते ही छा जाते हैं और दुश्मनों पर भारी पड़ जाते हैं। उनका डायलॉग है, 'जान की कीमत जानकर भी, जान को जोखिम में डालने वाला' वो आगे

कहते हैं 'मैं जाट हूं'। गोपीचंद मालिनेनी निर्देशित फिल्म जाट में सनी देओल मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मायथ्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्टरी के सहयोग से किया गया है। फिल्म के हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस को अनल अरासु, राम लक्ष्मण और वेंकट ने शानदार ढंग से तैयार किया है।थमन एस का जोशीला संगीत और ऋषि पंजाबी की शानदार सिनेमैटोग्राफी फिल्म के अनुभव को और बेहतर बनाती है। नवीन नूली ने संपादन और अविनाश कोल्ला ने प्रोडक्शन डिज़ाइन किया है। फिल्म जाट 10 अप्रैल को रिलीज होगी।

सेलिब्रिटीज़ ने साईं बाबा के भक्तों के लिए भोजन तैयार किया

मुंबई/एजेन्सी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के सेलिब्रिटी मास्टरशेफ़ के सेलिब्रिटीज़ ने साईं बाबा के भक्तों के लिए भोजन तैयार किया। सेलिब्रिटी मास्टरशेफ़ एक भावनात्मक और आध्यात्मिक एपिसोड प्रस्तुत करने के लिए तैयार है, जहां सेलिब्रिटी मास्टरशेफ़ के आगामी एपिसोड में भावनाएं अपने चरम पर होंगी। इस एपिसोड की शुरुआत एक भावुक पल से होती है, जब तेजस्वी प्रकाश और राजीव अदातिया अपनी साईं बाबा के प्रति गहरी भक्ति व्यक्त करते हैं, और फिर शिरडी जाकर श्री साईं बाबा मंदिर में दर्शन करते हैं। सेट पर लौटने के बाद, तेजस्वी सभी जजों और प्रतियोगियों को प्रसाद देती हैं, जिसके बाद सेट पर साईं बाबा की पूजा की जाती है। इसके बाद खुलासा होता है कि इस बार के चैलेंज में सभी प्रतियोगियों को साईं बाबा के 500 से अधिक भक्तों के लिए भोजन तैयार करना होगा। साईं बाबा के भक्त राजीव ने उनसे अपने जुड़ाव को किया साझा करते हुए इस खास एपिसोड के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मेरे माता-पिता हमेशा कहते थे। यदि तुम सच्चे भक्त हो, तो जो कुछ भी तुम दिल से मांगोगे, वह ज़रूर मिलेगा। मैं पिछले 20 सालों से साईं बाबा का भक्त हूं। किचन में साईं बाबा का आशीर्वाद लाने की बात से ही मुझे एक उद्देश्य और शक्ति का एहसास होने लगा है। इस एपिसोड में अब तक का सबसे बड़ा टास्क मिला है। प्रतियोगियों को हज़ारों लोगों के लिए भोजन तैयार करना होगा।

इस हाई-स्टेक्स कुकिंग चैलेंज में प्रतियोगियों को दो टीमों में बांटा गया है, जहां राजीव और तेजस्वी कप्तान की भूमिका में हैं और अपनी नेतृत्वक्षमता और भावनाओं को सामने लाते हैं। तेजस्वी ने कहा,आस्था से मुझे शक्ति मिलती है।

साईं बाबा मेरे लिए मार्गदर्शक रहे हैं, और मैं सच में मानती हूं कि प्रेम और प्रार्थना के साथ पकाया गया भोजन ही सबसे खास होता है।शिरडी जाना और साईं बाबा का आशीर्वाद लेना इस जोड़ी के लिए अनोखा अनुभव रहा है, जिसके साथ वे अपनी टीम को जीत दिलाने के लिए और अधिक दृढ़संकल्पित हो गए हैं। सेलिब्रिटी मास्टरशेफ़, सोमवार से शुक्रवार रात 8 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न और सोनी लिव पर प्रसारित होता है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, महिला अध्यक्षा संतोष आच्छा, युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली सहित तीनों मुख्य, महिला व युवा शाखा के वर्ष 2025-27 के नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यगण का सम्मान एवं शपथ ग्रहण समारोह गणेश बाग में मंगलवार को आयोजित हुआ।

कमल पुनमिया कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की प्रभारी जीनल गाला व प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा की अनुशंसा पर कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य के. अब्दुल जब्बार ने कमलकुमार पुनमिया को प्रदेश सचिव नियुक्त किया।

नियुक्ति पर जब्बार अहमद ने पुनमिया को बधाई दी। इस अवसर पर अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा ने प्रदेश समिति का आभार व्यक्त किया। ज्ञातव्य है कि कमल पुनमिया शहर की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े हैं।

थल सेना प्रमुख ने डीएसएससी का दौरा किया

चेन्नई। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को नीलगिरि जिले के वेलिंगटन में डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज (डीएसएससी) में 80वें स्टाफ कोर्स के लिए महत्त्वपूर्ण रणनीतिक व्याख्यान दिया। राष्ट्रीय सुरक्षा के बहुआयामी परिदृश्य पर अपने संबोधन में जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भारतीय सेना के संचालन प्रतिमान को एक अत्याधुनिक, अनुकूलनीय राष्ट्रीय लचीलेपन के साधन के रूप में जटिल भू-राजनीतिक चुनौतियों का विश्लेषण करते हुए परिभाषित किया। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की संचालन क्षमताओं, तकनीकी अनुकूलनशीलता और रणनीतिक प्रतिक्रियाशीलता को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गईं परिवर्तनकारी सैन्य पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने संकाय सदस्यों के साथ भी बातचीत की, जिसमें संचालन कला और नेतृत्व विकास के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई।

जैन कॉन्फ्रेंस की कर्नाटक प्रान्त की तीनों शाखाओं के पदाधिकारियों का सम्मान व शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, महिला अध्यक्ष संतोष आच्छा व युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, महिला अध्यक्षा संतोष आच्छा, युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली सहित तीनों मुख्य, महिला व युवा शाखा के वर्ष 2025-27 के नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यगण का सम्मान एवं शपथ ग्रहण समारोह गणेश बाग में मंगलवार को आयोजित हुआ। विभिन्न साधु साध्वियों के आशीर्वाद व शुभ संदेशों के वाचन के साथ गायक कलाकार अखिलेश चंडालिया द्वारा महावीर वंदना गायन व श्रमण संघ प्रार्थना गायन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल जैन की ओर से राष्ट्रीय महामंत्री अमित राय ने सभा को संबोधित किया। इसके बाद राष्ट्रीय विश्वस्त मंडल के पूर्व अध्यक्ष स्व. केसरीमल सुजानमल बुरड़ को स्मरण कर कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष के रूप में प्रकाश बुरड़ ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नरेश बोहरा से शपथ ग्रहण की। शपथ के बाद उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए अपने कार्यकाल की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ ने महिला अध्यक्षा संतोष आच्छा एवं युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के मौके पर तीनों अध्यक्षों के परिवारजन उपस्थित थे।प्रकाश बुरड़ ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए दिनेश पोखरना को, कोषाध्यक्ष पुखराज आंचलिया, सहकोषाध्यक्ष ललित मेहता को शपथ दिलाई।

प्रान्तीय महिला अध्यक्षा संतोषबाई आच्छा ने महिला चेयरपर्सन रसीलाबाई मरलेचा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंदिरा गादिया, महामंत्री सपना सिंघवी, कोषाध्यक्ष स्नेहलता बाफना को शपथ दिलाई। प्रांतीय युवाध्यक्ष आशीष भंसाली ने प्रांतीय युवा प्रमुख मार्गदर्शक के लिए भरत कोठारी के नाम की घोषणा करते हुए महामंत्री किशोर बाफना, कोषाध्यक्ष रूपेश सिसोदिया, सह-कोषाध्यक्ष सुनील बम्ब को शपथ दिलाई। इसके अलावा तीनों अध्यक्षों ने उपाध्यक्ष, मंत्री, प्रचार-प्रसार मंत्री, संगठन मंत्री, कानूनी सलाहकार मंत्री, योजना अध्यक्ष मंत्री एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई।

प्रचार प्रसार मंत्री सागर बाफना ने बताया कि इस समारोह को सफल बनाने में पुखराज आंचलिया, दिनेश पोखरना, रितेश पामेचा, विकास कोठारी, जसवंत गन्ना, भरत कोठारी, विशाल छल्लानी, यश बाफना, मनोज सोलंकी, प्रवीण धोका, अभय कातरेला, प्रवीण सिंघी, अजय धोका, शीतल लुणावत, रूपेश सिसोदिया, सुनील बम्ब, किशोर बाफना, दीपक धोका, अभिषेक विनायकिया आदि अनेक सदस्यों का सहयोग रहा। इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली के उपाध्यक्ष नरेश बोहरा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आनन्दमल छल्लानी, कार्याध्यक्ष जसवंत जैन, महामन्त्री अमितराय जैन, कोषाध्यक्ष विनय जैन,जोन 1 सहसंयोजक सुरेश लुणावत, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पुखराज मेहता, गौतमचन्द गुगलिया, राष्ट्रीय महिला प्रमुख मार्गदर्शक आरती बुरड़, राष्ट्रीय महिला अध्यक्षा संतोष जैन, महिला उपाध्यक्षा निर्मल जैन, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष विपुल जैन, राष्ट्रीय ज्ञान प्रकाश योजना के अध्यक्ष नरेश आनंदप्रकाश जैन, मुनीश जैन, महेन्द्र पगारिया, राष्ट्रीय वैयावच्च योजना के अध्यक्ष अशोक रांका, महामंत्री रतन सिंघी, राष्ट्रीय जीवन प्रकाश योजना के अध्यक्ष बाबूलाल रांका, महामंत्री अशोक धोका, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेन्द्र आंचलिया, जसवंत गन्ना, मनोज सोलंकी, सुनील लोढ़ा, अजय धोका, विशाल छल्लानी, राजेश मुथा, महेन्द्र मुणोत, गौतम धारीवाल, मनोहर रांका सहित प्रान्तीय मुख्य, महिला व युवा शाखा के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। इसके अलावा जैन समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। सम्मान एवं शपथ समिति के चेयरमैन महेंद्र रांका ने सभी नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए आभार व्यक्त किया।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक होजरी एवं गारमेंट एसोसिएशन (खागा) द्वारा 6 अप्रैल को हसरगट्टा स्थित राजस्थानी ढाणी रिसोर्ट में खागा डायरेक्टरी विमोचन' कार्यक्रम रखा गया है जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के सहाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक लादुलाल पितलिया उपस्थित होंगे। खागा के अध्यक्ष प्रकाश भोजानी, उपाध्यक्ष राजेश खैरा, सचिव कैलाश बालर, संयुक्त सचिव बिशनसिंह वीराणा, पूर्व अध्यक्ष सज्ज्नराज मेहता, गौतमचंद पोरवाल, सुरेशचंद्र मेहता, शांतिलाल पितलिया, विकास जैन आदि ने विधायक से मुलाकात कर उन्हें कार्यक्रम में आमंत्रित किया।

रिश्तों की डोर थामने के लिए विश्वास, प्यार और वाणी में मधुरता जरूरी : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर के तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में साध्वीश्री संयमलजाजी के सान्निध्य में कैसे थामें रिश्तों की डोर' नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया। साध्वीश्री संयमलताजी ने कहा कि रिश्तों की डोर थामे रखने हेतु विश्वास, प्यार और वाणी में मधुरता होना जरूरी है। घर को स्वर्ग बनाए रखने के लिए जुबान को नरम, आंख में शर्म और जेब को गर्म रखना चाहिए। उन्होंने आज के बढ़ते मोबाइल युग में टूटते रिश्तों को संभालने के लिए 3-डी फ़ार्मूला समझाया। अनेक प्रेरणादायी दृष्टांतों के माध्यम से बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण करने के लिए माता-पिता को प्रेरणा दी। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि बच्चे अस्पताल में पैदा होकर हॉस्टल एवं होटल वाले बन जाते हैं। बच्चों में संस्कार देने हेतु माता-पिता अपने समय का नियोजन करें यह निवेश किया हुआ समय उनके बुढ़ापे में काम देने वाला होगा।प्रशिक्षिका मधु कटारिया ने भी पेरेंटिंग के बारे में बताते हुए कहा कि माता-पिता होना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, यह न केवल हमारे बच्चों को पालने और उनकी देखभाल करने तक ही सीमित है, बल्कि उन्हें एक अच्छा इंसान बनने और उन्हें जीवन के लिए तैयार करने के बारे में भी है । बच्चे हमारी सबसे बड़ी पूंजी हैं और यह भविष्य के नेता हैं। इस अवसर पर तेरापंथ सभा राजाजीनगर के अध्यक्ष अशोक चौधरी, तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया, महिला मंडल की अध्यक्षा उषा चौधरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

जीवनप्रकाश योजना की राष्ट्रीय महिला मंत्री बनी बबीता श्रीश्रीमाल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल जैन एवं राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष संतोष जैन द्वारा योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबूलाल रांका, राष्ट्रीय मंत्री अशोककुमार धोका तथा महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष रतनीबाई मेहता की अनुशंसा पर बेंगलूरु की बबीता श्रीश्रीमाल का मनोनयन जीवन प्रकाश योजना की राष्ट्रीय महिला मंत्री पद पर किया गया है।गत 25 वर्षों से धार्मिक एवं रचनात्मक क्रियाकलापों में जुड़ी बबीता श्रीश्रीमाल सक्रिय रूप से विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से सेवा दे रही हैं।

विश्व नवकार महामंत्र दिवस को लेकर शहर की 110 संस्थाओं ने किया मंथन

'जीतो' द्वारा 9 अप्रैल को आयोजित होगा यह कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो द्वारा 9 अप्रैल को आयोजित होने वाले विश्व नवकार महामंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर शहर के शांतिनगर स्थित ऑडिटोरियम में जैन समाज की विभिन्न सभा-संस्थाओं के पदाधिकारियों की बैठक हुई । उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। जीतो साउथ चैप्टर के अध्यक्ष रणजीत सोलंकी ने सभी का स्वागत किया। जीतो नॉर्थ के महामंत्री विजय सिंघवी ने जीतो संस्था की गतिविधियों एवं विश्व नवकार महामंत्र दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला। जीतो नार्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया ने इस आयोजन के रोडमैप पर विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह आयोजन जैन समाज की एकता एवं आध्यात्मिक चेतना को जाग्रत करने हेतु महत्वपूर्ण कदम है।

बैठक में आदिनाथ जैन संघ चिकपेट के अध्यक्ष गौतम सोलंकी ने सभी को इस कार्यक्रम को शिखर तक ले जाने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। स्थानकवासी संप्रदाय से भीखमचन्द सोलंकी ने सभी उपस्थितजनों को आयोजन से जोड़ने की बात कही। तेरापंथ समाज से मंगलचंद कोचर ने सभी जैन भवनों में इस आयोजन को आयोजित करने का विश्वास दिलाया। दिगंबर समाज से अशोक सेठिया ने अपने समाज से पूर्ण सहयोग दिलवाने का आश्वासन दिया। जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावी मुणोत ने समस्त जैन समाज को एकजुट करने हेतु विशेष प्रचार-प्रसार का दायित्व लिया। जैन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पुखराज मेहता ने इस आयोजन को वैश्विक स्तर तक ले जाने के लिए प्रतिबद्धता जताई। अपेक्स जीतो की आत्मनिर्भर संयोजिका बिन्दु रायसोनी ने नारी शक्ति को जागरूक कर सक्रिय भागीदारी निभाने की बात कही। जीतो अपेक्स के मंत्री श्रीपाल बच्छावत ने जैन एवं जैनेत्तर सभी को इस कार्यक्रम से जोड़ने की अपील की।

संभवनाथ जैन मंदिर, वीवी पुरम के भैरुमल दांतेवाड़िया ने आयोजन को शांति का प्रतीक बताया। विश्व नवकार महामंत्र दिवस के जीतो साउथ के संयोजक महेंद्र रांका, सहसंयोजक महावीर दांतेवाड़िया, जीतो नार्थ के संयोजक दिनेश खिंवेसरा व सहसंयोजक प्रवीण चौहान अपनी अपनी टीम के साथ कार्यक्रम की तैयारी में जुटे हैं। इस आयोजन में लगभग 110 संघ संस्थाओं के पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। साउथ चैप्टर के महामंत्री नितिन लुनिया ने सभी को धन्यवाद दिया।

जहां महिला का सम्मान, वहां होता है देवताओं का वास : महेन्द्र मुणोत

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के शिर्डी साईंबाबा सेवा ट्रस्ट द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में बेंगलूरु के चौलुरपाल्या क्षेत्र में बुधवार को सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवा देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। मुणोत ने कहा कि वर्तमान में महिलाओं के तेवर स्वागत योग्य हैं।

महिला घर गृहस्थी को संभालते हुए किसी भी क्षेत्र में पुरुष से कम नहीं है। भारत में महिलाओं का सम्मान है, प्राथमिकता है। हमारे देश के राष्ट्रपति, देश के वित्त मंत्री, दिल्ली के मुख्यमंत्री के पद पर महिला ही विद्यमान है जो हम सभी के लिए गौरव का विषय है। जहां महिलाओं का सम्मान होता है वहां देवताओं का वास होता है । आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

वितरित

बेंगलूरु में पुलिकेशी नगर के विधायक एसी श्रीनिवास द्वारा आयोजित एक पहल के तहत रमजान की पूर्व संध्या पर वितरित किए जाने वाले मुफ्त राशन किट ले जाते मुस्लिम निवासी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com